आश्विन शुक्ल - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 72 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 05-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार में राजग की 'रिकॉर्ड तोड़ जीत' होगी : शिवराज सिंह चौहान

6 मेजर सीवीएस निखिल: सरहद पर चला ऐसा फौजी दांव, उग्रवादियों के उखड़ गए पांव

7 शरवरी वाघ ने दशहरे पर शुरू की इतियाज अली की फिल्म की शूटिंग

फर्स्ट टेक

कर्नाटक: ऊर्जा मंत्री के ओएसडी रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़े गए

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) को शनिवार शाम यहां राज्य लोकायुक्त के अधिकारियों ने रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ लिया। लोकायुक्त द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीटीसीएल) के कार्यकारी अभियंता और ऊर्जा मंत्री के ओएसडी ज्योति प्रकाश (50) तथा उनके कार चालक नवीन एम (34) को रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता, ब्यादराहल्ली निवासी अनंतराजू के एम (37) ने लोकायुक्त से संपर्क किया और बताया कि ओएसडी ने डीआर डेवलपर्स को बिजली मंजूरी के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के लिए कथित तौर पर रिश्वत की मांग की थी। बयान में कहा गया कि शुरुआती मांग एक लाख रुपए की थी लेकिन आरोपी कथित तौर पर 50,000 रुपए में मामला निपटाने के लिए सहमत हो गया और उसे रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया गया।

टेक्सास में भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या, जांच जारी

ह्यूस्टन(अमेरिका)/भाषा। अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक गैस स्टेशन पर कथित चोरी के दौरान 27 वर्षीय भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। हैदराबाद के रहने वाले चंद्रशेखर पोल कथित तौर पर डलास के उस गैस स्टेशन पर अंशकालिक नौकरी करते थे, जहां शुक्रवार को गोलीबारी की घटना हुई थी। वह डेंटन स्थित नॉर्थ टेक्सास विश्वविद्यालय से 'डेटा एनालिटिक्स' में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे थे। डलास पुलिस विभाग ने कहा कि मामले की जांच जारी है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, हम इस दुखद घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं। डलास काउंटी मेडिकल परीक्षक कार्यालय शव का पोस्टमार्टम कर रहा है। मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाना अभी बाकी है, जो शव को स्वदेश भेजे जाने के लिए एक आवश्यक दस्तावेज है।

शांति भंग करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देंगे सुरक्षा बल : अमित शाह

■ शाह ने एक बार फिर 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प को दोहराया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगदलपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को माओवादियों से किसी भी तरह से बातचीत की संभावना से इंकार करते हुए कहा कि वे आत्मसमर्पण करें और बस्तर के विकास में सहभागी बनें।

शाह ने जगदलपुर के लालबाग परेड मैदान में आयोजित बस्तर दशहरा लोकोत्सव, 2025 और 'स्वदेशी मेला' के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एक बार फिर 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प को दोहराया।

गृह मंत्री ने कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल मुंहतोड़ जवाब देंगे।

शाह ने बस्तर क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा, मैं सभी आदिवासी भाइयों बहनों को कहना चाहता हूं कि आपके ग्राम के युवाओं को हथियार डालने के लिए समझाइए। वह हथियार डाल दें, मुख्यधारा में आएं तथा बस्तर के विकास में सहभागी बनें। उन्होंने कहा, कुछ लोग वार्ता की बात करते हैं, मैं फिर से एक बार स्पष्ट कर देता हूं, हमारी दोनों सरकारें – छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार – बस्तर और नक्सल प्रभावित हर क्षेत्र के विकास को समर्पित है, किस चीज की वार्ता करनी है, बहुत मोहक आत्मसमर्पण नीति हमने बनाई है, आइए हथियार डाल दीजिए। हथियार के बल पर बस्तर की शांति को अगर आपने छिन्न-भिन्न करने का काम किया तो हमारे सशस्त्र बल इसका जवाब देंगे। 31 मार्च 2026 की तिथि नक्सलवाद को इस देश की भूमि पर से विदाई देने के लिए तय है।

फ्लैट खरीदारों के साथ 'धोखाधड़ी':

ईडी ने कर्नाटक में 423 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फ्लैट खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में शनिवार को धन शोधन निरोधक कानून के तहत कर्नाटक स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी के प्रवर्तकों के 423 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के अनबिके फ्लैट और जमीन कुर्क कर ली। ईडी ने बताया कि यह कार्रवाई बेंगलुरु स्थित ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स और उसके मुख्य प्रवर्तक एस वदुदेवन के खिलाफ की गई है। जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कंपनी की एवेन्यू (92 फ्लैट) और एक्रा-2 परियोजनाओं (13 फ्लैट) में बिना बिके फ्लैट के अलावा 4.5 एकड़ वाणिज्यिक भूमि और वासुदेवन की निजी संपत्तियों को कुर्क करने के लिए अनंतिम आदेश जारी किया गया था।

'भारत विरोधी नेता' बन गए हैं राहुल गांधी : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को ''भारत विरोधी नेता'' बताते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने भारत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर की गई उनकी हालिया टिप्पणी को लेकर शनिवार को कहा कि हर जगह देश का विरोध करना अब कांग्रेस नेता की फितरत बन चुकी है।

भाजपा नेता ने हिमाचल प्रदेश के मंडी दौरे के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकिस्तान पर हवाई हमलों के दौरान भी गांधी भारत में रहते हुए ''पाकिस्तान का गुणगान'' करते रहे। उन्होंने पूछा, ''ऐसी क्या मजबूरी है जो राहुल गांधी को हर कदम पर भारत का विरोध करने पर विवश करती है?'' उन्होंने दावा किया कि इस तरह के व्यवहार और पाकिस्तान के प्रति उनके ''लगाव'' के कारण गांधी पहले ही 90 चुनाव हार चुके हैं और अब बिहार में भी कांग्रेस की हार निश्चित है।

ठाकुर ने राज्य सरकार द्वारा केंद्र से 843 करोड़ रुपए की अतिरिक्त किश्त जारी करने को अपर्याप्त बताए जाने के मुद्दे पर भी बात की और कहा, ''जबकि केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश को हजारों करोड़ रुपए प्रदान कर रही है, हिमाचल में कांग्रेस के नेता केंद्र सरकार को धन्यवाद देने के बजाय लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।''

ठाकुर ने कहा, ''कांग्रेस की अपनी चुनावी गारंटियां बुरी तरह विफल हो गई है और केवल कागजों तक ही सीमित रह गई है।''

दक्षिण अमेरिका के दौरे पर राहुल ने कहा:

गरिमा और लोकतंत्र के लिए लड़ाई एक जैसी

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के चार देशों का दौरा कर रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि आशा की एक सार्वभौमिक भाषा होती है और गरिमा तथा लोकतंत्र के लिए लड़ाई एक जैसी ही है।

गांधी ने अपने यूट्यूब चैनल पर कोलंबिया और पेरू की अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कहा, कोलंबिया के कोमुनास की जीवंत सड़कों और मेडेलिन विश्वविद्यालय की कक्षाओं से लेकर पेरू के लीमा में छात्रों के साथ भावपूर्ण बातचीत तक, दक्षिण अमेरिका की यह यात्रा गर्मजोशी, आनंद और विचारों से परिपूर्ण रही है। उनका कहना था, मैंने ऐसे कलाकारों से मुलाकात की जो रंगों का उपयोग प्रतिरोध के रूप में करते हैं और ऐसे छात्रों से भी मिला जो निडर होकर सपने देखते हैं। उनकी रचनात्मकता और साहस की भावना सचमुच प्रेरणादायक थी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, हर कदम पर, मुझे यह अहसास हुआ कि आशा की एक सार्वभौमिक भाषा होती है, और सभी महाद्वीपों में गरिमा और लोकतंत्र के लिए हमारी लड़ाई एक जैसी है।

अरब सागर में आगे बढ़ रहा चक्रवात 'शक्ति'

नई दिल्ली/भाषा। अरब सागर में मानसून के बाद वाले मौसम के पहले चक्रवाती तूफान 'शक्ति' की हलचल तेज हो गई है। इसकी गति 100 किलोमीटर प्रति घंटा है जिसके चलते तेज हवाएं चल रही हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवात 'शक्ति' अब एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो चुका है, अरब सागर में यह और आगे बढ़ रहा है तथा गुजरात में द्वारका से लगभग 420 किलोमीटर दूर केंद्रित है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि इसके पश्चिम-दक्षिणपश्चिम की ओर बढ़ने तथा रविवार तक उत्तरपश्चिम और समीपवर्ती पश्चिम-मध्य अरब सागर तक पहुंचने की संभावना है।

बौद्धिक क्षमता हमारी सबसे बड़ी शक्ति : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को ज्ञान और कौशल का देश बताते हुए शुक्रवार को कहा कि भारतीयों की बौद्धिक क्षमता देश की सबसे बड़ी शक्ति है।

मोदी ने यहां कौशल दीक्षांत समारोह में युवाओं के लिए 62,000 करोड़ रुपए की पहलों का शुभारंभ किया, जिनमें पीएम सेतु योजना और नवोदय तथा एकलव्य मॉडल विद्यालयों में कौशल प्रयोगशाला योजना शामिल है। कौशल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर से लाखों विद्यार्थी और कौशल प्रशिक्षु जुड़े। कार्यक्रम बिहार केन्द्रित था।

प्रधानमंत्री ने कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी की उपस्थिति में देश भर में आईटीआई (इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट) की विभिन्न विधाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

ट्रंप की योजना के पहले चरण के लिए हम तैयारियां तेज करेंगे : इजराइल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव (इजराइल)/एपी। गाजा में युद्ध खत्म करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के कुछ बिंदुओं को हमास की ओर से स्वीकार किए जाने के बाद इजराइली सेना ने शनिवार को कहा कि वह योजना के पहले चरण के लिए तैयारियां तेज करेगी।

सेना ने कहा कि इजराइली नेताओं ने योजना के कार्यान्वयन के लिए तैयारियां तेज करने का निर्देश दिया है।

इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने गाजा में रक्षात्मक स्थिति अख्तियार कर ली है और वह हमला नहीं करेगा। अधिकारी ने बताया कि गाजा से कोई भी सुरक्षा बल नहीं हटाया गया है।

इससे कुछ घंटे पहले ट्रंप ने योजना के कुछ बिंदुओं को हमास की ओर से स्वीकार करने के बाद इजराइल को गाजा में हमले रोकने का आदेश दिया था।

ट्रंप ने हमास के बयान का स्वागत करते हुए कहा था, मुझे लगता है कि वे दीर्घकालिक शांति के लिए तैयार हैं।

इस बीच, मिस्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमास से बंधकों को छुड़ाने और इजराइली हिरासत से सैकड़ों फलस्तीनियों की रिहाई के लिए बातचीत जारी है।

05-10-2025 सूर्यास्त 6:06 बजे | 06-10-2025 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE	NSE
81,207.17 (+223.86)	24,894.25 (+57.95)

सोना	चांदी
11,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	146,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वो ही बातें

वो ही मुद्दे वो ही बातें,
मंदिर मस्जिद के चले दाँव।
आंदोलन हड़तालें धरने,
आक्रोशित सूबे और गाँव।
गठबंधन जाति-समाजों के,
वादों नारों की काँव-काँव।
मायूस मयूरा जन मन का,
फिर देख रहा है थके पाँव।।

तेरापंथ भवन यशवंतपुर में 'ज्योति पुंज मंत्र अनुष्ठान' सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर के तत्वावधान में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में विजयादशमी के अवसर पर 'ज्योति पुंज मंत्र अनुष्ठान' का आयोजन किया गया जिसमें विक्रम दुग्गड़ एवं जितेंद्र घोषाल ने प्रशिक्षण दिया। तेयुप के पूर्व अध्यक्ष महावीर गन्ना ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री सोमयशाजी ने जीवन में मंत्रों के महत्व को समझाया। डॉ.सरलयशाजी ने दिशाशास्त्र की जानकारी प्रदान करते हुए मंत्रोच्चार के समय, आसन एवं दिशा की जानकारी प्रदान की। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने मुद्रा शास्त्र के बारे में बताते हुए विभिन्न मुद्राओं का प्रयोग करवाया। दोनों प्रशिक्षकों ने विभिन्न मंत्रों की जानकारी देते हुए मंत्रों का अभ्यास करवाया।

कार्यक्रम में अभातेयुप के सरगम के राष्ट्रीय सह प्रभारी विशाल पितलिया, तेयुप के अध्यक्ष धर्मेश डुंगरवाल, सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया, महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा आदि उपस्थित थे। मंत्री अभिषेक पोखरणा ने धन्यवाद दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नवदुर्गा सेवा ट्रस्ट द्वारा कामाक्षीपाल्या स्थित पूजा कन्वेंशन हॉल में आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं पूर्व पार्षद उमेश शेट्टी ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। आयोजकों ने अतिथियों का सम्मान किया।

सहज स्मृति योग

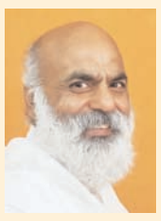

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, क्या यह बात सही है कि सूचना संप्रेषण तकनीकी के अत्यंत विकसित हो जाने के कारण हम में से हरेक का विश्व-नागरिक होना वर्तमान मानव समाज और समुदाय की न्यूनतम अर्हत अस्मिता हो गई है लेकिन समस्याएं हमें अब भी राष्ट्र या देश के नागरिक के रूप में ही झेलनी और सुलझानी पड़ती हैं ? क्या इस समस्या का सम्बन्ध धर्म और अध्यात्म से भी है ?

उत्तर: यह बात सही है कि वर्तमान समय में सम्पूर्ण विश्व में मनुष्य का अस्मिता संकट गहरा हुआ है लेकिन, इसे शुभ समाचार की दृष्टि से देखना चाहिए क्योंकि, अस्मिता संकट बिना उदात्त भाव उत्पन्न हुए और शैक्षिक स्तर बढ़े संभव नहीं होता। यह भी बात सही है कि न बौद्धिक, न सांप्रदायिक, न राजनीतिक, किसी भी स्तर पर अस्मिता निर्धारण कोई पारदर्शी संतोषजनक विधान किसी ने एकांत साधना से सिद्ध कर लिया हो तो कर लिया हो किंतु सार्वजनिक रूप से प्रकाश में तो नहीं ही आया है। यह भी बिल्कुल सही दिशा में अनुमान है आपका कि इसका सम्बन्ध निस्संदेह धर्म और अध्यात्म से ही है क्योंकि, धर्म जहाँ मनुष्य और पर्यावरण के यथार्थ सम्बन्ध को समरसता पूर्वक यथावत धारण करने का पारस्परिक विधान दर्शाता है वहीं अध्यात्म मनुष्य को उसके मूल दिव्य स्वभाव की अनुभूति की ओर ले आ पाता है।

गडकरी ने हवाई यातायात नियंत्रण, विमानन क्षेत्र में आधुनिकीकरण पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को हवाई यातायात नियंत्रण सहित विमानन क्षेत्र में वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रौद्योगिकी और नियमों को उन्नत करने का आह्वान किया।

नितिन गडकरी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स गिल्ड ऑफ इंडिया द्वारा नागर विमानन पर आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे।

गडकरी ने कहा कि विमानन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि देश में हवाई अड्डों की संख्या 75 से बढ़कर 150 हो गई है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

नितिन गडकरी ने कहा कि नागपुर देश के केंद्र में स्थित है और संभवतः यह भारत में सम्पूर्ण हवाई यातायात नियंत्रण का केन्द्र बन सकता है।

मंत्री ने कहा कि पुराने और अप्रचलित नियमों को समाप्त करने और सुरक्षा से समझौता किए बिना वैश्विक मानकों के अनुसार नए नियम लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नए नियमों से इस क्षेत्र में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने के लिए हवाई यातायात नियंत्रकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

आरबीआई ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखी: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखी है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति के अपने पूर्वानुमान में भारी कटौती की है।

केंद्रीय बैंक ने एक अक्टूबर को शुल्क अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए अपनी नीतिगत ब्याज दर को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा था। रिपोर्ट में कहा गया कि एमपीसी ने स्वीकार किया है कि अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष (2025-26) की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा।

क्रिसिल इंटेलिजेंस ने कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कमी से वृद्धि पर शुल्क का समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया, 'कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति कम चिंता का विषय होने के साथ, अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो आरबीआई के लिए भी ऐसा करने की गुंजाइश बनेगी। आरबीआई ने फरवरी 2025 से नीतिगत दर में एक प्रतिशत की कटौती की है।

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए गैर-फास्टैग उपयोगकर्ताओं के लिए टोल संग्रह का नया नियम

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा में वैध और चालू फास्टैग के बिना प्रवेश करने वाले वाहनों से 15 नवंबर से सामान्य टोल राशि के मुकाबले 1.25 गुना शुल्क लिया जाएगा, लेकिन इसके लिए यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने का विकल्प चुनना होगा। सरकार ने यह जानकारी दी और कहा कि नकद लेनदेन को कम करने के लिए ऐसा किया है। इस समय वैध फास्टैग के बिना यात्रा करने वालों को नकद भुगतान पर दोगुना टोल शुल्क देना पड़ता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने और गैर-फास्टैग उपयोगकर्ताओं के लिए नकद लेनदेन को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों का निर्धारण और संग्रह) नियम, 2008 में संशोधन किया है।

ज्ञान के बिना मोक्ष संभव नहीं: संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि नव पद की आराधना के मंगल पूर्व चल रहे हैं। जिसमें जीवन को बदलने का मार्ग मिलता है। गुरु के बिना मानव का जीवन कभी नहीं बदल सकता है। देव भी गुरु की महिमा बताते हैं। ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप से जीवन बदलना संभव है। मनुष्य में अगर ज्ञान नहीं है तो कुछ नहीं है। ज्ञान पाने पर लोक और परलोक सुधरता है। ज्ञान के बिना कोई भी मोक्ष नहीं जा सकता है। चाहे जितना कष्ट उठा लो लेकिन ज्ञान के बिना कुछ संभव नहीं है। जीवन के संशय को दूर हटाना हो तो ज्ञानी बनो। सज्जन जैसी मुक्ति चाहिए तो भी ज्ञान चाहिए। बिना ज्ञान के मानव भव बेकार है। ज्ञानी मनुष्य ही संसार और अच्छे बुरे के बारे में जान सकता है। जब तक ज्ञान नहीं

आएगा तब तक अच्छे बुरे के बारे में पता नहीं चलेगा। जब तक इसका ज्ञान नहीं होगा मोक्ष मार्ग पर जाना संभव नहीं है। जैसे रोग आता है तो तन खराब कर देता है और धन आए तो मनुष्य को बिगाड़ देता है। धन आते ही लोग गलत मार्ग पर चलने लगते है, इसलिए कहते हैं धन भोगों की खान है। ज्ञान सुखों की खान है। पेट भरने का ज्ञान महत्वपूर्ण नहीं होता है। जब ज्ञान आने के बाद मानव तप, त्याग के मार्ग पर चलने लगता है तब उसका ज्ञान सही मायने में काम आता है। संघ के महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत 6.5 करोड़ महिलाओं की जांच की गई : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने शनिवार को कहा कि 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत देश भर में लगभग 18 लाख स्वास्थ्य शिविरों में 6.5 करोड़ महिलाओं की जांच की गई है।

नड्डा ने इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए कहा कि यह अभियान महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के राष्ट्र के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से 17 सितंबर को शुरू किया गया दो सप्ताह का स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान दो अक्टूबर को संपन्न हुआ। इस दौरान देश भर में आयोजित लगभग 18 लाख

स्वास्थ्य शिविरों में 6 करोड़ 50 लाख महिलाओं की जांच की गई। उन्होंने कहा, यह असाधारण उपलब्धि महिलाओं के स्वास्थ्य को केंद्र में रखने के राष्ट्र के सामूहिक संकल्प को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, सराहनीय प्रयास! उन सभी को बधाई जिन्होंने जमीनी स्तर पर काम करके इसे इतना प्रभावशाली और हमारी नारी शक्ति के लिए लाभकारी बनाया है। यह जीवन को बेहतर बनाने के लिए जनभागीदारी का एक बेहतरीन उदाहरण है।

पंजाब पुलिस ने सीमा पार हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने शनिवार को सीमा पार हथियार तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुक्तसर जिले के मलोट और फिरोजपुर से गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों के पाकिस्तान के तस्करों से संबंध थे।

यादव ने कहा, मुक्तसर साहिब पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए सीमा पार हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मलोट से रवि सिंह और फिरोजपुर से उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 9 एमएम की दो पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं।

यादव ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उनके सीमा पार के तस्करों से संबंध हैं, जिनमें हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल पाकिस्तान में मौजूद एक हैंडलर भी शामिल है।

भाजपा ने सामाजिक सौहार्द बिगाड़ा, फडणवीस असहाय मुख्यमंत्री : ठाकरे

पुणे/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता उद्धव ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस को शनिवार को एक ''असहाय'' मुख्यमंत्री करार दिया और कहा कि वह अपने शासनकाल में ''बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार'' पर रोक लगाने में विफल रहे हैं।

चुनावी राज्य बिहार में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा का हवाला देते हुए ठाकरे ने केंद्र से महाराष्ट्र की महिलाओं को वित्तीय सहायता देने की अपील की। ठाकरे ने पुणे में महिलाओं और शिवसेना (उबाठा) के कार्यकर्ताओं की सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने मीडिया से भी बातचीत की। पुणे यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स द्वारा आयोजित एक संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठाकरे ने यह भी कहा कि शिवसेना (उबाठा) को भारतीय जनता पार्टी से हिंदुत्व पर प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है, जो ''देश के भीतर दीवारें खड़ी कर रही है।

ठाकरे ने कहा, भारत एक खूबसूरत देश है। इसकी एक महान संस्कृति है। हालांकि, इन लोगों (भाजपा) ने पूरे माहौल को बिगाड़ दिया है और इसे नर्क बना दिया है। इन लोगों ने देश के भीतर दीवारें खड़ी कर दी हैं। मैं इसे और बिगड़ने से रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने आरोप लगाया, मैंने बार-बार कहा है कि भाजपा राज्य या केंद्र में सरकार नहीं चला सकती। नरेन्द्र मोदी सरकार कश्मीर और मणिपुर के मुद्दों का समाधान करने में विफल रही है। ठाकरे ने कहा कि भाजपा देश को तानाशाही के रास्ते पर ले जा रही है।

कांग्रेस ने पीओके में 'दमन की राजनीति' की निंदा की

श्रीनगर/भाषा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हिंसक अशांति के बीच कांग्रेस ने शनिवार उसे (पीओके को) भारत का अभिन्न अंग बताया और वहां चल रही ''उत्पीड़न और दमन की राजनीति'' की निंदा की। कांग्रेस की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष तारिक कर्रा ने अनंतनाग में संवाददाताओं से कहा कि पीओके के लोगों के साथ पूरे देश की सहानुभूति है।

कर्रा ने कहा, संसद पहले ही प्रस्ताव पारित कर चुकी है कि पीओके भारत का हिस्सा है और हमारी, पूरे देश की सहानुभूति उसके साथ है। वहां के लोगों के साथ अलोकतांत्रिक व्यवहार किया जा रहा है। कांग्रेस वहां हो रही उत्पीड़न और दमन की राजनीति के खिलाफ है। वह (पीओके) जम्मू-कश्मीर का अभिन्न अंग हैं और हमारी पूरी सहानुभूति उनके (वहां के लोगों के) साथ है।

पिछले कुछ दिनों में पीओके में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 10 लोग मारे गए हैं एवं कई अन्य घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारी बुनियादी अधिकारों, न्याय और सुनियोजित उत्पीड़न के खात्मे की मांग कर रहे हैं।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, कर्रा ने कहा कि पार्टी ने हमेशा फलस्तीन के लोगों के हितों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा,''इंदिरा गांधी ही वह शख्स थीं जिन्होंने फलस्तीन के हितों की पैरोकारी की। हमने फलस्तीन के लोगों को पूर्ण समर्थन दिया है और हम इसे जारी रखेंगे।

कोविड प्रतिबंध हटने के बाद अमरनाथ मंदिर में नकद दान 100 गुना बढ़ा : आरटीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। कोविड महामारी प्रतिबंध समाप्त होने के बाद फिर से शुरू हुई वार्षिक अमरनाथ यात्रा में शामिल हुए तीर्थ यात्रियों ने दिल खोलकर दान दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दक्षिण कश्मीर हिमालय में करीब 3880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में कोविड के बाद से नकद दान में करीब 100 गुना की वृद्धि हुई है।

जम्मू स्थित आरटीआई कार्यकर्ता रमन कुमार शर्मा द्वारा दायर सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन के जवाब में 'श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड' (एसएएसबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, नकद दान और चढ़ावा 2020-21 की 9.23 लाख रुपए की धनराशि के मुकाबले 2025-26 में 9.75 करोड़ रुपए हो गया है। नकद चढ़ावा वर्ष 2024-25 में सबसे अधिक (11.58 करोड़ रुपए) मिला। जबकि 2023-24 में यह राशि 11.15 करोड़ रुपए थी। वर्ष 2020 और 2021 में लागू कोविड़ प्रतिबंध हटाए जाने के बाद वर्ष 2022 में वार्षिक अमरनाथ यात्रा में देशभर से करीब तीन लाख श्रद्धालु शामिल हुए। इसके बाद वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 4.5 लाख जबकि 2024 में 5.1 लाख रहा। इस वर्ष इस वार्षिक यात्रा में करीब 4.1 लाख तीर्थयात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। वर्ष 2025 में तीन जुलाई को यात्रा शुरू हुई जिसे यात्रा मार्गों की मरम्मत के लिए एक सप्ताह पहले समाप्त कर दिया गया। इस गुफा मंदिर में प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ के शिवलिंग के दर्शनों के लिए वार्षिक यात्रा आमतौर पर जुलाई-अगस्त में शुरू होती है। एसएएसबी के मुख्य लेखा अधिकारी के अनुसार, नकद दान और चढ़ावे के रूप में गुफा मंदिर को प्राप्त धनराशि इस प्रकार है: 2020-21 में 9.23 लाख रुपए, 2021-22 में 12.29 लाख रुपए, 2022-23 में 9.14 करोड़ रुपए, 2023-24 में 11.16 करोड़ रुपए, 2024-25 में 11.59 करोड़ रुपए और 2025-26 में 9.75 करोड़ रुपए।

कांग्रेस सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र की परियोजनाओं की 'अनदेखी' कर रही: बीआरएस विधायक राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ विधायक टी. हरीश राव ने शनिवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पूर्ववर्ती के. चंद्रशेखर राव सरकार द्वारा शुरू की गई स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रमुख पहलों की ''अनदेखी'' कर रही है।

हरीश राव ने यहां कई बीआरएस विधायकों के साथ एल.बी. नगर स्थित निर्माणाधीन

तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (टिम्स) भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कें चंद्रशेखर राव (केसीआर) की सरकार ने कोविड महामारी के बाद हैदराबाद के आसपास चार टिम्स अस्पताल और वारंगल में एक ''हेल्थ सिटी'' बनाने की पहल की थी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, दिसंबर 2023 में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। राव ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ''जानबूझकर परियोजनाओं को पूरा करने में देरी कर रही है ताकि उनके पूरा होने का श्रेय केसीआर को न मिले। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस शासनकाल में शुरू किए गए 'बस्ती दवाखाना' भी अब ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। विधानसभा में कांग्रेस के सचेतक आदि श्रीनिवास ने पलटवार करते हुए पूछा कि बीआरएस सरकार ने 10 साल सत्ता में रहने के बावजूद टिम्स और अन्य प्रस्तावित सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों को ''पूरा क्यों नहीं किया''। उन्होंने कहा, बीआरएस सरकार ने 2023 में सत्ता गंवाने से सिर्फ एक साल पहले टिम्स के लिए निविदाएं निकाली थीं। उसने गांधी

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-प्रोक्यूअरमेंट (आईआरईपीएस)

निविदा सूचना सं: HE-16-2025-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं (आईआरईपीएस) आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग का रनिंग रूम एवं क्रू बुकिंग लॉबी के लिए एयर कंडीशनरों का प्रावधान।	रु. 10,77,361.20
2	उप कार्य-1: विजयपुरा पर टाईप-3, 12 यूनिट प्रस्तावित कर्मचारी गृहों का निर्माण के लिए विद्युत की व्यवस्था। उप कार्य-2: विजयपुरा पर टाईप-2, 4 यूनिट प्रस्तावित कर्मचारी गृहों का निर्माण के लिए विद्युत की व्यवस्था।	रु. 36,01,693.84
3	बागलकोट पर टाईप-2, 12 यूनिट प्रस्तावित कर्मचारी गृहों का निर्माण के लिए विद्युत की व्यवस्था।	रु. 25,10,098.72
4	वास्को-ड-गामा पर टाईप-2, 12 यूनिट प्रस्तावित कर्मचारी गृहों का निर्माण के लिए विद्युत की व्यवस्था।	रु. 25,10,098.72
5	हुबली, रेलवे अधिकारियों का क्लब पर प्रस्तावित रीक्रियेशन सुविधा का लिए विद्युत की व्यवस्था।	रु. 12,67,354.60

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 28.10.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय विद्युत इंजीनियर/सामान्य

PUB/522/AAF/PRB/SWR/2025-26 हुबली

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

आगामी इंडिया मोबाइल कांग्रेस 6जी प्रौद्योगिकी के विकास पर केंद्रित होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आगामी इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 कार्यक्रम 6जी प्रौद्योगिकी के विकास से जुड़े सभी अहम मुद्दों को जोड़ने और नई साझेदारियां बनाने पर केंद्रित होगा। डिजिटल प्रौद्योगिकी मंच इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पी रामकृष्ण ने कहा कि एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में वैश्विक स्तर पर देश की मान्यता 6जी प्रौद्योगिकी के विकास को आगे बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण है।

रामकृष्ण ने कहा, 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 6जी प्रौद्योगिकी के महत्वपूर्ण पहलुओं को जोड़ने वाला एक प्रमुख मंच बनकर उभर रहा है।

वैश्विक स्तर पर भारत अपनी विश्वसनीयता दिखा रहा है क्योंकि इंडिया मोबाइल कांग्रेस में ब्रिटेन, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, यूरोप और भारत जैसे देशों के उद्योग जगत के दिग्गज और विशेषज्ञ शामिल होंगे। सरकार समर्थित इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 राजधानी में 8 से 11 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगा। रामकृष्ण ने कहा, '6जी संगोष्ठी में 70 से अधिक वैश्विक और भारतीय विशेषज्ञ शामिल होंगे, जिनमें प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गजों के साथ-साथ आईआईटी और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों जैसे प्रमुख संस्थानों के शिक्षाविद भी शामिल होंगे।

उच्च-स्तरीय चर्चाओं में 6जी के महत्वपूर्ण विषयों जैसे वैश्विक पहल, प्रमुख उपयोग के मामले, सक्षम प्रौद्योगिकियां, एआई आधारित नेटवर्क, अंतरिक्ष संपर्क और स्पेक्ट्रम सामंजस्य पर चर्चा की जाएगी।

हर जिले में सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बनाने का लक्ष्य : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि उनका लक्ष्य राज्य के हर जिले में एक सरकारी अस्पताल और एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करना है। सिद्दरामय्या ने यहां एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल भवन का उद्घाटन करने के बाद कहा कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले ज्यादातर लोग समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं।

उन्होंने कहा, ''सरकारी अस्पतालों में आने वाले सभी लोग गरीब और मध्यम वर्ग से होते हैं। उन्हें भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए, मेरा लक्ष्य हर जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज और एक मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल बनवाना है।'' मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केवल अस्पताल की इमारत बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि चिकित्सकों की नियुक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

सिद्दरामय्या ने इस संबंध में कहा, ''हम इसी के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की भी नियुक्ति करेंगे। हमने रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया है।''सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, सिद्दरामय्या ने कहा कि उनकी सरकार असमानता को दूर करने के लिए वंचितों के वास्ते अवसर और सुविधाएं पैदा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''विकास जब समाज के अंतिम तबके तक पहुंचेगा, तभी समाज और राष्ट्र का विकास संभव है। इसलिए हम सभी के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम बना रहे हैं।'' उन्होंने पांच गारंटी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनसे राज्य के लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है, प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है और महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''जब गरीब आर्थिक रूप से मजबूत हो जाते हैं, तो समाज में जाति व्यवस्था और असमानता को खत्म करना संभव हो जाता है।'' उत्तर कर्नाटक में बाढ़ के बारे में सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य के आठ जिलों में 95 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त वर्षा हुई है और अनुमानतः 10 लाख हेक्टेयर फसल नष्ट हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी अधिकारी किसानों की सहायता के लिए तत्पर हैं और उन्हें मुआवजा प्रदान कर रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री के ओएसडी रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) को शनिवार शाम यहां राज्य लोकायुक्त के अधिकारियों ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। लोकायुक्त द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीटीसीएल) के कार्यकारी अभियंता और ऊर्जा मंत्री के ओएसडी ज्योति प्रकाश (50) तथा उनके कार चालक नवीन एम (34) को रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया।

शिकायतकर्ता, ब्यादराहल्ली निवासी अनंतराजू के एम (3%) ने लोकायुक्त से संपर्क किया और बताया कि ओएसडी ने डीआर डेवलपर्स को बिजली मंजूरी के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के लिए कथित तौर पर रिश्वत की मांग की थी। बयान में कहा गया कि शुरुआती मांग एक लाख रुपये की थी लेकिन आरोपी कथित तौर पर 50,000 रुपये में मामला निपटाने के लिए सहमत हो गया और उसे रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

एसआईटी जांच से करूर भगदड़ का सच सामने आएगा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) करूर भगदड़ की जांच शुरू करेगा, जिससे पूरी सच्चाई सामने आएगी तथा हर स्तर पर जवाबदेही तय होगी। करूर घटना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के खिलाफ अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगदड़ रोकने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार करूर त्रासदी पर उच्च न्यायालय के सभी दिशानिर्देशों पर ध्यान देते हुए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''करूर में हुई त्रासदी से हम सभी स्तब्ध हैं।'' उन्होंने कहा कि अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के आंसू देखकर उन्हें बहुत दुख हुआ। उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर गठित एसआईटी मामले की जांच शुरू करेगी। स्टालिन ने कहा कि वह मुख्यमंत्री होने के नाते लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि इस जांच के माध्यम से पूरी सच्चाई सामने आएगी और सभी स्तरों पर जवाबदेही तय की जाएगी।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु, जो कई क्षेत्रों में देश के बाकी हिस्सों के लिए एक आदर्श है, भगदड़ रोकने में भी देश का मार्गदर्शन करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम हितधारकों के परामर्श से एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करेंगे।'' उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और राज्य भर के आम लोगों से परामर्श किया जाएगा। स्टालिन ने कहा, यह (भगदड़ रोकने के लिए) एक ऐसा मॉडल बनेगा, जिसका अनुसरण केवल तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि पूरा देश कर सकता है।

उन्होंने कहा कि इस त्रासदी की पृष्ठभूमि में, आइए हम राजनीतिक उद्देश्यों से एक-दूसरे पर दोषारोपण किए बिना दीर्घकालिक समाधान की ओर बढ़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करके भगदड़ रोकने के सामूहिक प्रयास के लिए विचारों और सुझावों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा, ''आइए हम अपने लोगों की जान बचाने के लिए एकजुट हों और ऐसी त्रासदी को न केवल तमिलनाडु में, बल्कि देश भर में फिर से होने से रोकें!''

मद्रास उच्च न्यायालय ने तीन अक्टूबर 2025 को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित करने का आदेश दिया, जो 27 सितंबर को करूर में अभिनेता विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच करेगा। भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हो गए।

दिवाली से पहले बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए घर पर राशन पहुंचाएगी तमिलनाडु सरकार

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने शनिवार को घोषणा कि वह 20 अक्टूबर को होने वाली दिवाली से पहले सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग परिवार कार्डधारकों के घर तक जरूरी वस्तुएं पहुंचाएगी। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन द्वारा अगस्त में शुरू की गई 'थायुमानवर' योजना के तहत घर-घर वितरण किया जाएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि वितरण पूरे राज्य में एक साथ किया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग परिवारों के राशन कार्डधारकों को मासिक राशन लेने के लिए अपने पड़ोस की उचित दर दुकानों पर जाकर कतारों में इंतजार करने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दुकानों से वाहन जरूरी वस्तुओं को सीधे लाभार्थियों के घर तक पहुंचाएंगे। साथ ही ई-पीओएस मशीनों का इस्तेमाल करेंगे। इस पहल से तमिलनाडु भर में कुल 21.7 लाख कार्डधारक लाभान्वित होंगे।

जागरूकता

कलबुर्गी शनिवार को भारतीय कैंसर सोसाइटी द्वारा आयोजित स्तन कैंसर जागरूकता अभियान में छात्र भाग लेते हुए।

बेलगावी में उर्स जुलूस के दौरान नारेबाजी के बाद पथराव

बेलगावी। कर्नाटक के बेलागावी में खड़क गली में स्थित महबूब सुब्हानी दरगाह के उर्स जुलूस के दौरान नारों को लेकर हुए विवाद के बाद पथराव होने से तनाव पैदा हो गया। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार रात जुलूस में शामिल कुछ युवकों ने 'आई लव मुहम्मद' का नारा लगाया, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया।

खड़क गली से आमतौर पर जुलूस नहीं गुजरता। वहां के निवासियों ने नारे पर आपत्ति जताई और सवाल किया कि जुलूस का मार्ग क्यों बदला गया। नारे पर आपत्ति जताए जाने के बाद तनाव बढ़ गया और पथराव की खबरें आने लगीं। पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को काबू किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने तुरंत हस्तक्षेप किया और मामला गंभीर होने से पहले ही समूहों को तितर-बितर कर दिया। स्थिति अब नियंत्रण में है। शांति बनाए रखने के लिए संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

बिजली के करंट की चपेट में आने से हाथी की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। बेंगलूरु दक्षिण जिले के चेन्नपटना में करीब 40 वर्ष के एक हाथी की बिजली के तार की चपेट में आने से मौत हो गई। वन अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उप वन संरक्षक (डीसीएफ) रामकृष्णाप्पा सागर के अनुसार शुक्रवार को हाथी नारियल के पत्ते खाने की कोशिश कर रहा था कि तभी वह ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार के संपर्क में आ गया।

उन्होंने कहा, ''करंट लगने से हाथी की मौके पर ही मौत हो गई।'' वन अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और प्रारंभिक जांच शुरू की। यह घटना चामराजनगर जिले के माले महादेश्वर हिल्स में एक बाघ के मृत पाए जाने के एक दिन बाद हुई है।

वन विभाग ने एक बयान में कहा कि विभाग ने एक बैठक कर चेन्नपटना में गोल्लारदोड्डी के पास हाथी की मौत के कारणों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि बिजली का करंट लगने से हर साल औसतन 14 हाथियों की मौत होती है लेकिन इस साल यह संख्या घट गई और सात हाथियों की मौत दर्ज की गई। बयान में कहा गया, ''किसानों और संपत्ति मालिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपनी बाड़ में अवैध रूप से बिजली का प्रयोग न करें। निरीक्षण किया जा रहा है।''

कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने अधिकारियों को वन क्षेत्रों में और उसके आसपास लटके हुई बिजली के तारों की मरम्मत कराए जाने के मकसद से बिजली आपूर्ति कंपनियों को पत्र लिखने के निर्देश दिए जिससे हाथियों की ऐसी मौतों को रोका जा सके।

बेंगलूरु में एक यात्री के पटरी पर कूदने से मेट्रो सेवाएं कुछ समय के लिए बाधित रहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नाडप्रभु केम्पेगौड़ा मेट्रो स्टेशन मैजेस्टिक पर शनिवार को एक यात्री के पटरी पर कूदने के कारण मेट्रो की ग्रीन लाइन पर सेवाएं कुछ समय के लिए बाधित रहीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के अनुसार, यह घटना अपराह्न तीन बजकर 17 मिनट पर हुई, जब ट्रेन मडावरा की ओर जा रही थी। यात्री को तुरंत बचा लिया गया और उसे अस्पताल ले जाया गया।

अपराह्न तीन बजकर 47 मिनट तक मेट्रो सेवा सामान्य हो गई।

बीएमआरसीएल ने एक बयान में बताया कि 30 मिनट के इस व्यवधान के दौरान ट्रेनें केवल मडावरा और राजाजीनगर के बीच, तथा नेशनल कॉलेज और सिल्क इंस्टीट्यूट स्टेशन के बीच ही चलाई गईं।

सर्वेक्षण

बेंगलूरु में शनिवार को मल्लेश्वरम में सामाजिक और शैक्षिक स्थिति सर्वेक्षण में सरकारी स्कूल के शिक्षक शामिल हुए।

कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदले जाने की अटकलों को किया खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में साल के अंत तक मुख्यमंत्री बदले जाने की अटकलों के बीच, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने शुक्रवार को इन अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस अपने प्रदेश नेतृत्व से जुड़े फैसले लेने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस यह तय करने में सक्षम है कि हमारी पार्टी में क्या होना चाहिए। कृपया यह निर्णय हमारी पार्टी पर छोड़ दें। आप चिंता न करें। जब भी कोई निर्णय लेने की आवश्यकता होगी, पार्टी वह निर्णय लेने में सक्षम है।''

अटकलों के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''आप लोगों का एक ही एजेंडा होता है जब भी मैं यहां आता हूं -- बस यही सवाल कि पांच साल, ढाई साल...।''उनकी यह टिप्पणी कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर राजनीतिक हलकों में जारी अटकलों की पृष्ठभूमि में आई है।

कुणिगल से कांग्रेस विधायक एच.डी. रंगनाथ और मंड्या के पूर्व सांसद एल.आर. शिवराम गौड़ा ने बुधवार को यह दावा कर चर्चा को फिर से हवा दे दी कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

राज्य के राजनीतिक हलकों और खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में, साल के अंत में मुख्यमंत्री बदले जाने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता समझौते का हवाला दिया जा रहा है।

मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। हालांकि, कांग्रेस ने शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री पद स्वीकार करने के लिए राजी कर लिया। उस समय कुछ खबरों में दावा किया गया था कि बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनने के ''फॉर्मूले'' पर सहमति बनी है, जिसके तहत ढाई साल बाद डी. के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि, पार्टी ने ऐसी किसी भी सहमति की आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की है।

तमिलनाडु में 'कफ सिरप' के नमूने की जांच में मिलावट की पुष्टि हुई : खाद्य सुरक्षा विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई स्थित एक कंपनी की फैक्टरी में निरीक्षण के दौरान वहां से एकत्र किए गए कफ सिरप' के नमूने में मिलावट पाई गई है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों ने तमिलनाडु की कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है और उसे यहां के समीप स्थित अपनी फैक्टरी में सिरप का उत्पादन रोकने का निर्देश दिया है।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में 11 बच्चों की मौत 'कफ सिरप' - 'कोल्ड्रिफ' से जुड़े होने का संदेह होने के बाद तमिलनाडु सरकार ने इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगाने और बाजार से इसके भंडार को हटाने के आदेश दिए हैं। इन्हीं आदेश के बाद यहां यह कार्रवाई की गई। अधिकारी ने बताया कि नमूने में मिलावट सामने आने के बाद एक अक्टूबर से निर्माता द्वारा बनाए गए इस 'कफ सिरप' की पूरे तमिलनाडु में बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की एक टीम ने पिछले सप्ताह पड़ोसी कांचीपुरम जिले के सुंगुवरचत्रम में दवा कंपनी की फैक्टरी का निरीक्षण किया और वहां से कफ सिरप' के नमूने एकत्र किए। फैक्टरी से जांच करने के मकसद से लिए गए नमूनों के परिणामों के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''जांच के वास्ते लिये गए नमूने में मिलावट पाई गई है और हमने निर्माता से स्पष्टीकरण मांगा है। अगले आदेश तक संयंत्र में उत्पादन बंद रहेगा।''

उन्होंने कहा, ''जब तक कंपनी हमें संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं देती फैक्टरी में उत्पादन बंद रहेगा।'' उन्होंने बताया कि कंपनी ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और पुडुचेरी में सिरप की आपूर्ति की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में सात सितंबर से संदिग्ध किडनी रोग से पीड़ित बच्चों की मौत के लिए कफ सिरप में 'ब्रेक ऑयल सॉल्वेंट' के मिश्रण को जिम्मेदार ठहराया। मध्य प्रदेश में इस मामले में नौ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि मीडिया की खबरों के अनुसार राजस्थान में दो शिशुओं की मृत्यु हुई है।

मोदी ने तमिलनाडु के दो स्वतंत्रता सेनानियों की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तमिलनाडु के दो स्वतंत्रता सेनानियों-तिरुप्पुर कुमारन और सुब्रमण्य शिवा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस दिन हम भारत माता के दो महान सपूतों-तिरुप्पुर कुमारन और सुब्रमण्य शिवा को याद करते हैं तथा उन्हें नमन करते हैं। दोनों महान तमिलनाडु राज्य से ताल्लुक रखते थे। उन्होंने अपना जीवन भारत की आजादी और लोगों में राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए समर्पित कर दिया था।

प्रधानमंत्री ने लिखा कि तिरुप्पुर कुमारन ने भारत का राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए शहादत हासिल की और इस तरह अदम्य साहस एवं निस्वार्थ बलिदान का परिचय दिया। तिरुप्पुर कुमारन 1932 में स्वतंत्रता सेनानियों की ओर से निकाले जा रहे एक मार्च पर की गई हिंसक कार्रवाई में शहीद हो गए थे।

कांग्रेस नेता रामेश्वर डूडी का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता और राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे रामेश्वर डूडी का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को 62 वर्ष की आयु में बीकानेर में निधन हो गया। डूडी अगस्त 2023 में 'ब्रेन स्ट्रोक' के बाद, दो साल से अधिक समय से कोमा में थे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को बीकानेर में किया जाएगा। किसान नेता के तौर पर जाने जाने वाले डूडी राजस्थान में भाजपा सरकार के दौरान 2013 से 2018 के बीच नेता प्रतिपक्ष रहे। वह बीकानेर से सांसद भी रह चुके थे। उनकी पत्नी सुशीला डूडी फिलहाल कांग्रेस विधायक हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कांग्रेस के कई नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। गहलोत ने कहा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं बीकानेर से सांसद रहे रामेश्वर डूडी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। यह मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर एक आघात है। उन्होंने कहा कि डूडी ने अपनी हर भूमिका का निर्वहन अच्छी तरह से किया और वह किसानों के लिए हमेशा काम करते रहे।

पंचतत्व में विलीन हुए रामेश्वर डूडी

वरिष्ठ कांग्रेसी और पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी का देर रात निधन हो गया है। डूडी ने 62 वर्ष की उम्र में आखिरी सांस ली। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। इसके साथ ही डूडी पंचतत्व में विलीन हो गए है। किसान नेता की आखरी विदाई में जन सैलाब उमड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, झउउ चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली, कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा, किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी, विधायक रफीक खान, विकास चौधरी, शिमला नायक, डूंगरराम गैदर, कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी, धर्मेंद्र राठौड़ सहित कई दिग्गज मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि असमय उनका जाना दुखद। पार्लियामेंट में भी हमारे साथ रहे। उनके जाने से कांग्रेस को, देश को और राजस्थान को क्षति हुई। मेरे बहुत करीब थे मुझे व्यक्तिगत क्षति हुई। किसानों की आम आदमी की आवाज थे। ये हादसा हुआ तब भी हमने कोशिश की बेहतर इलाज की। ईश्वर मुश्किल घड़ी में उनके परिवार को ताकत दे। बता दें कि छात्र राजनीति से शुरू पंचायती राज में 1995 में नोखा के प्रधान बने। देश की सबसे बड़ी पंचायत में पहुंचे, राजस्थान के प्रतिपक्ष नेता बने। दो बार जिला प्रमुख, एक बार विधायक रहे। अगस्त 2023 में ब्रेन हैमरेज होने के बाद से कोमा में चल रहे थे। उन्हें पहले जयपुर ले जाया गया,जहां से बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया था। कुछ दिन पहले ही डूडी को दिल्ली से बीकानेर लाया गया था। तब से उनकी हालत स्थिर थी और 62 वर्ष की उम्र में रामेश्वर डूडी ने देर रात घर पर ही आखिरी सांस ली।

हनुमानगढ़ में गुरुद्वारे पर नियंत्रण को लेकर हुई झड़प, आठ लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के गोलूवाला स्थित मेहताबगढ़ साहिब गुरुद्वारे के प्रबंधन को लेकर लंबे समय से जारी विवाद शुक्रवार को उस समय हिंसक हो गया, जब लोगों के एक समूह ने परिसर में कथित तौर पर जबरन घुसकर उस पर नियंत्रण करने की कोशिश की। पुलिस ने यह जानकारी दी। समूह की, गुरुद्वारे में पहले से मौजूद प्रतिद्वंद्वी गुट के सदस्यों के साथ झड़प हुई जिसमें बच्चों सहित आठ लोग घायल हो गए।

घायलों को पहले एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, उसके बाद उन्हें श्रीगंगानगर के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) जनेश तंवर ने बताया, ''सुबह-सुबह करीब 100 लोग गुरुद्वारा परिसर में घुस आए। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है। उनकी हालत स्थिर है। बीच-बचाव करने की कोशिश में राजस्थान सशस्त्र बल (आरएसी) का एक जवान भी घायल हो गया।''

घटना के बाद, विभिन्न थानों की पुलिस और आरएसी के जवानों को इलाके में तैनात किया गया है। एहतियातन अधिकारियों ने इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि गोलूवाला थाने में 17 नामजद और कई अज्ञात लोगों के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं तथा तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। कुछ स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि बीबी हरमीत कौर के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती कमेटी ने गुरुद्वारे के प्रबंधन पर एकाधिकार कर लिया था और उनके समर्थकों पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया।

उन्होंने गुरुद्वारे के प्रशासन के लिए नयी कमेटी गठित करने की भी मांग की। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रखने के लिए घटनास्थल पर मौजूद हैं।

ऑनलाइन परीक्षा में हेराफेरी करने के आरोप में दो साइबर जालसाज गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान आतंकवाद निरोधक दस्ते और मादक पदार्थ रोधी कार्यबल ने झुंझुनू जिले में दो वांछित साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों में से प्रत्येक पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस महानिरीक्षक (एटीएस) विकास कुमार ने कहा कि ये गिरफ्तारियां 'ऑपरेशन एब्स विक्टर' और 'ऑपरेशन जॉली' का हिस्सा हैं, जो राज्यों में संचालित संगठित परीक्षा-धोखाधड़ी नेटवर्क पर कार्रवाई के लिए शुरू की गई थी।

उन्होंने कहा, यह अभियान उन गिरोहों को ध्वस्त करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो तकनीक का दुरुपयोग करते हैं और फर्जी कंप्यूटर लैब तथा दूरस्थ परीक्षा में हेराफेरी के माध्यम से उम्मीदवारों को धोखा देते हैं। निरंतर तकनीकी और खुफिया जानकारी ने हमें आरोपियों को पकड़ने में मदद की। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्ति कई शहरों में फर्जी नामों से कंप्यूटर सेंटर चलाते थे और ऑनलाइन परीक्षाओं में हेराफेरी करने या नकल कराने के लिए रिमोट एक्सेस एप्लिकेशन, छिपे हुए कैमरे और नकली स्क्रीन का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने बताया कि यह गिरोह उम्मीदवारों से 1.5 लाख रुपये से 8 लाख रुपये तक वसूलता था। एटीएस ने बताया कि जांच अधिकारियों ने तकनीकी निगरानी और परीक्षा केंद्रों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच कर संदिग्धों का पता लगाया। आरोपियों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

इंडियन सोसाइटी फॉर हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन का हुआ उद्घाटन, बिरला ने कहा- हमारे देश के डॉक्टरों पर पूरे विश्व का भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मैं जब भी किसी विदेश दौरे पर गया और वहां जिनसे भी मिलना हुआ, उन्होंने कहा कि हम अपने या परिवार के किसी भी सदस्य के इलाज के लिए हिंदुस्तान आते हैं। यह दिखता है कि भारत के चिकित्सकों पर दुनियाभर के लोगों का विश्वास है। यह कहना था लोकसभा अध्यक्ष बिरला का, जो इंडियन सोसाइटी फॉर हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भारत में एक समय था जब लोग अपना ब्लड तक डोनेट करने से बचते थे। लेकिन अब समय बदल चुका है और जागरूकता इतनी बढ़ गई है कि 18-19 साल के नौजवान भी ब्लड डोनेशन के लिए लाइन में खड़े रहते हैं। अब अंग दान के लिए भी अधिक से अधिक जागरुकता बढ़ाने की आवश्यकता है। कोविड काल में हमारे देश के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ का सेवा भाव पूरी दुनिया ने देखा। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी रह सकती है, लेकिन अनुभव, रिसर्च वर्क में भारतीय चिकित्सकों की विश्व में मान्यता है। कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन डॉ. अजीत बाना, डॉ. वीरेन्द्र सिंह और ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. राजकुमार यादव ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में हार्ट और लंग्स दोनों की बीमारियों और उनके इलाज की नवीनतम तकनीकों पर चर्चा हो रही है।

यूएसए से आए डॉ. निकोलस कोलाइटिस ने बताया कि पल्मोनरी हाइपरटेंशन फेफड़ों की धमनियों में रक्त का दबाव असामान्य रूप से बढ़ जाता है।

धीरे-धीरे हृदय की धड़कन को कमजोर करता है। इससे मरीज सांस लेने में कठिनाई, थकान और गंभीर मामलों में चक्कर या बेहोशी जैसी समस्याओं का सामना करते हैं।

इसके इलाज में हाल ही में विकसित नई दवा स्टेटरसेप्ट मरीजों के लिए एक बड़ी उम्मीद लेकर आई है। ट्रायल में इस दवा के उपयोग से मरीजों में बीमारी के बढ़ने या मृत्यु के जोखिम में 84 प्रतिशत तक कमी देखी गई। साथ ही 6 मिनट वॉक टेस्ट में सुधार, हृदय तनाव के मार्कर्स में कमी और जीवन गुणवत्ता में बढ़ोतरी भी मिली। यह दवा मौजूदा उपचारों के साथ तीन सप्ताह में एक बार इंजेक्शन के रूप में दी जाती है।

पुष्कर पशु मेले का आगाज 22 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। पशुपालन विभाग 22 अक्टूबर से 7 नवम्बर तक होने वाले पुष्कर पशु मेले की तैयारियों में जुट गया है। मेले में आने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को प्रदेश की सतरंगी संस्कृति से रूबरू कराने के लिए प्रदेश के पशुपालकों को परिवार सहित मेले में आने का न्योता दे रहा है। जिससे कि निकट भविष्य में मेले में पर्यटकों की संख्या को बढ़ाया जा सके। पुष्कर मेला, पशु मेले के नाम से विख्यात है, वहीं इसका धार्मिक महत्व भी है। हर साल मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक और पशुपालक आते हैं। जो मेले के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजनों का हिस्सा बनते हैं, वहीं धार्मिक रीति-रिवाजों की रस्म अदा करते हैं। लेकिन बीते कई सालों से मेले में पशुओं की संख्या लगातार घटती जा रही है। जिससे पशु मेले का वजूद संकट में आ गया है। इसीलिए विभाग अब अधिक से अधिक पशुपालकों को मेले से जोड़ने के प्रयास कर रहा है। यही कारण है कि मेले में प्रदेश के पशुपालकों को परिवार सहित मेले में आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। मेले में पशुपालकों को रियायती दर पर रसद सामग्री व खाने के पैकेट उपलब्ध होंगे। जिससे उन पर आर्थिक भार नहीं पड़ेगा।

विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील घीया ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर मेले के प्रचार-प्रसार और पशुपालकों को परिवार सहित मेले में आने का निमंत्रण दिया जा रहा है। यह कार्य फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सएप पर पोस्ट के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही अधिकारी पशुपालकों के ग्रुप में भी पोस्ट के माध्यम से उन्हें मेले में अधिक से अधिक संख्या में आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

डॉ. घीया ने बताया कि इस प्रयास से मेले में जहां पशुओं की संख्या बढ़ेगी, वहीं यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को एक जगह पर ही राजस्थान की संस्कृति, सभ्यता, रहन-सहन, खानपान सहित सांस्कृतिक विविधता देखने को मिलेगी। जिससे निकट भविष्य में मेले में इनकी संख्या भी बढ़ेगी।

पशुओं के प्रति करुणा, संवेदनशीलता और दया भाव रखना हम सबकी जिम्मेदारी : जसवंत विश्नोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व पशु कल्याण दिवस 4 अक्टूबर को प्रति वर्ष एक अभियान के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर शनिवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम जसवंत सिंह बिश्नोई, अध्यक्ष, राजस्थान राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग एवं राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में गौ पुनर्वास केंद्र, हिंगोनिया गौशाला, जयपुर में आयोजित किया गया। विश्व पशु दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम 'सेव एनिमल्स, सेव द प्लेनेट' की थीम पर मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जीव जंतु कल्याण बोर्ड द्वारा गायों को हरा चारा, गुड़ और पशु आहार खिलाकर किया गया। इस अवसर पर बिश्नोई ने कहा कि पशु न केवल हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था में भी इनका बहुत योगदान है। इनसे हमारे पर्यावरण का संतुलन बना रहता है।

उन्होंने कहा कि पशुओं के प्रति करुणा, संवेदनशीलता और दया भाव रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे पशुओं के साथ प्रेमपूर्ण और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि पशुओं के संदर्भ में किए जाने वाले सभी कल्याणकारी कार्य समाज सेवा के ही हैं। अध्यक्ष बिश्नोई ने कहा कि गाय और अन्य पशु हमारे सांस्कृतिक एवं सामाजिक जीवन का आधार हैं। विश्व पशु दिवस का संदेश केवल एक दिन तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि हर दिन हमें पशुओं के प्रति संवेदनशीलता और करुणा से व्यवहार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पशु हमारे पर्यावरण और जैव विविधता के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। यदि हम पशुओं की रक्षा करेंगे तो धरती का संतुलन सुरक्षित रहेगा। पॉलीथिन का त्याग पशुओं और धरती की सुरक्षा की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। पशु कल्याण केवल सरकार का कार्य नहीं है बल्कि हर नागरिक का दायित्व है।

इस अवसर पर बोर्ड अध्यक्ष ने पशु कल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पोस्टर का विमोचन किया जिसमें पशुओं के प्रति हमारे दायित्वों के महत्वपूर्ण संदेश दिए गए हैं। उन्होंने वहां उपस्थित लोगों को सामूहिक रूप से पॉलीथिन बैग का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया। इस दौरान बिश्नोई ने हिंगोनिया गौशाला का अवलोकन करते हुए गाय पर रुमिनोटोमी ऑपरेशन का लाइव प्रदर्शन भी देखा। इस अवसर पर निदेशक पशुपालन विभाग डॉ. आनंद सेजरा सहित विभागीय अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शनिवार को वर्ल्ड एनिमल डे में शामिल हुई। उन्होंने कहा, पशु केवल हमारे साथी नहीं, बल्कि पर्यावरण और जीवन चक्र का अहम हिस्सा हैं।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान का उद्देश्य हर भारतीय को सक्षम और स्वावलंबी बनाना : मंजू शर्मा

जयपुर/दक्षिण भारत । सांसद मंजू शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के सपने को पूरा करने की दिशा में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाया जा रहा आत्मनिर्भर भारत अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह एक जनआंदोलन है। इसका उद्देश्य हर भारतीय को सक्षम बनाना है, ताकि वह स्वावलंबी बने और देश के विकास में भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आज हर क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने, कौशल विकास के साथ स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

इसमें महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्थानीय को प्राथमिकता सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भरता का पहला कदम है, स्थानीय को प्राथमिकता देना।उन्होंने कहा कि युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही वोकल फॉर लोकल को अपनाएं और स्थानीय उत्पादों व सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें।

सांसद शर्मा ने बताया कि आत्मनिर्भर अभियान के तहत 15 सितंबर से 25 दिसंबर तक प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश में पर्यटकों और श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश बजट घोषणाओं में किए वादों को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस सतत विकास की दिशा में राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए धार्मिक पर्यटन स्थलों के जीर्णोद्धार, सौन्दर्यकरण एवं विकास के लिए वित्त विभाग ने पर्यटन विभाग को 22 करोड़ 93 लाख 12 हजार रुपये की वित्तीय सहमति प्रदान की है। प्रदेश की राजधानी में हेरिटेज ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए आइकॉनिक ट्यूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में नाहरगढ़ एवं आमेर में संरक्षण, जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य के लिए वित्त विभाग ने 4 करोड़ 37 लाख 74 हजार रुपये की वित्तीय सहमति प्रदान की है। पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के लिए वित्त विभाग ने सवाई माधोपुर जिले के रणथम्भौर में स्थित त्रिनेत्र गणेश जी मंदिर, में पर्यटन विकास के लिए 2 करोड़ 6 लाख रुपये की वित्तीय सहमति प्रदान की है। पर्यटन विभाग द्वारा हम्मीर महल से त्रिनेत्र गणेश मंदिर तक सुगम रास्ते का निर्माण करवाया जायेगा। साथ ही, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, सोलर पैनल आदि जनसुविधाएं उपलब्ध करवाई जायेंगी। इसी प्रकार राजसमंद जिले के सुप्रसिद्ध मंदिर द्वारिकाधीश में विकास कार्य कराये जाने के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहमति प्रदान की गई है। इससे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में बारादरी का निर्माण, फूड कोर्ट, पार्किंग में जन सुविधाएं, परिसर में पेंटिंग, एवं विद्युतीकरण का कार्य करवाया जायेगा।

वित्त विभाग ने बाड़मेर जिला स्थित रामदेवजी की जन्मस्थली रामदेरिया काश्मीर में विकास व जीर्णोद्धार के लिए 104.25 लाख रुपये, जयपुर के माधोराजपुरा स्थित भोमिया जी मंदिर के लिए 107 लाख रुपये, पाली के डोवा रामजी महाराज तीर्थ बालरई (रानी) के लिए 135.89 लाख रुपये, सिरोही जिले के चामुण्डा माताजी मंदिर के लिए 99.94 लाख रुपये, उदयपुर जिले के नीमच माता मंदिर के लिए 49.42 लाख रुपये, बाड़मेर (गुडामलानी) के धुधलेश्वर महादेव के लिए 56 लाख रुपये, बालोतरा के हल्देश्वर महादेव मंदिर के लिए 53.50 लाख रुपये, पाली के सुमेरपुर स्थित कुबाजी महाराज तीर्थ-देसूरी के लिए 196.54 लाख रुपये, (कामां) डीग के बरौली धाऊ में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 228.95 लाख रुपये, भरतपुर जिले की पदम हवेली के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 265.56 लाख रुपये व डीग (कामां) के विमल कुण्ड के सौन्दर्यकरण कार्य के लिए 201.33 लाख रुपये की वित्तीय सहमति प्रदान की है।

मोदी ने की नीतीश सरकार की सराहना, कहा : कुछ लोग कर्पूरी ठाकुर का जननायक सम्मान 'चुराने की कोशिश में'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व शासन के दौरान ''तबाह हुई शिक्षा की स्थिति'' को राज्य से बड़े पैमाने पर पलायन का एक प्रमुख कारण बताया और हालात में सुधार लाने एवं राज्य को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की शनिवार को सराहना की।

बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। मोदी ने बिहार के लिए कई परियोजनाओं समेत युवा केंद्रित शिक्षा एवं कौशल विकास पहलों के उद्घाटन कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी परोक्ष निशाना साधा जिन्हें कांग्रेस के सदस्य अक्सर 'जननायक' कहते हैं। जननायक शब्द का इस्तेमाल ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के लिए किया जाता रहा है। मोदी ने गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोगों द्वारा ठाकुर से जुड़े सम्मान को ''चुराने'' के प्रयासों के प्रति बिहार के लोगों को सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठाकुर को जननायक की उपाधि 'सोशल मीडिया ट्रोल' ने नहीं दी बल्कि यह उनके प्रति लोगों के प्रेम का प्रतीक है। मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने दिवंगत ओबीसी नेता को पिछले साल भारत रत्न से सम्मानित किया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार पर विशेष जोर देते हुए 62,000 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का शनिवार को अनावरण किया। मोदी ने मुख्यमंत्री कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार सरकार ने राज्य के विकास के लिए नए संकल्प लिए हैं और पिछले 20 साल की तुलना में अगले पांच वर्ष में रोजगार पाने वाले लोगों की संख्या को दोगुना करने का निर्णय लिया है। राज्य में जारी विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पलायन के मुद्दे के जोर पकड़ने के बीच प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिहार के युवाओं को राज्य में ही रोजगार मिले। मोदी ने कहा कि जिस पेड़ की जड़ें सड़ चुकी हों, उसे पुनर्जीवित करना एक कठिन काम है और उन्होंने ''विपक्ष के कुशासन के दौरान बिहार की स्थिति'' की तुलना ऐसे ही एक पेड़ से की। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से बिहार के लोगों ने कुमार को शासन की जिम्मेदारी सौंपी और ''गठबंधन सरकार की पूरी टीम ने पटरी से उतरी व्यवस्था को बहाल करने के लिए सामूहिक रूप से काम किया। मोदी ने कार्यक्रम में बिहार के हजारों युवाओं के शामिल होने का उल्लेख करते हुए जोर देकर कहा कि यह पीढ़ी शायद पूरी तरह से समझ नहीं पाएगी कि दो-ढाई दशक पहले बिहार में शिक्षा व्यवस्था कैसे तबाह हो गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनका बच्चा स्थानीय स्तर पर पढ़े और आगे बढ़े लेकिन मजबूरियों के कारण लाखों बच्चों को बिहार छोड़कर बनारस, दिल्ली और मुंबई जैसी जगहों पर पलायन करना पड़ा। उन्होंने इसे पलायन की असली शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि जिस पेड़ की जड़ें सड़ रही हों, उसे फिर से खड़ा करना बहुत मुश्किल होता है और राजद शासन के दौरान बिहार की यही स्थिति थी।

बिहार में राजग की 'रिकॉर्ड तोड़ जीत' होगी : शिवराज सिंह चौहान

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की ''अभूतपूर्व और शानदार'' विकास पहलों की बदौलत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार विधानसभा चुनाव में ''रिकॉर्ड तोड़ बहुमत'' हासिल करेगा। पत्रकारों से बात करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने युवाओं के लिए 62,000 करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात दी है, जिसमें पूर्वी भारत खासकर बिहार पर विशेष ध्यान दिया गया है। चौहान ने कहा, मैं बिहार पहुंचा तो देखा कि जोरदार बारिश हो रही है। दूसरी तरफ बिहार पर प्रधानमंत्री की सौगातों की भी बारिश हुई। वह सौगातें अभूतपूर्व और शानदार हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री और (मुख्यमंत्री) नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार में विकास की गंगा बही है, जो पूरी दुनिया के सामने उदाहरण बन चुकी है। उन्होंने बताया कि वह यहां ''मखाना महोत्सव'' में शामिल होने आए हैं। चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री ने मखाना बोर्ड की स्थापना कर बिहार के इस प्रसिद्ध उत्पाद को बढ़ावा दिया है।

भाजपा घोषणा पत्र के लिए 'सुझाव अभियान' आज से शुरू करेगी

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कहा कि वह जनता से सुझाव लेकर अपना घोषणा पत्र तैयार करेगी। इस संबंध में पार्टी का 'सुझाव अभियान' पांच अक्टूबर से लेकर 20 अक्टूबर तक चलाया जाएगा।

भाजपा की घोषणा पत्र समिति के सदस्य एवं मंत्री प्रेम कुमार ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, अगले पांच वर्षों में हमें क्या करना है, उसकी तैयारी की जा रही है। भाजपा ने निश्चय किया है कि घोषणा पत्र जारी करने से पूर्व पूरे प्रदेश में एक करोड़ से अधिक लोगों से सुझाव एकत्रित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए पार्टी की ओर से 243 विधानसभा क्षेत्रों में प्रमुख स्थानों पर 3,000 से अधिक सुझाव पेटियां रखी जाएंगी, जिनमें लोग अपने सुझाव डाल सकेंगे। इसके अलावा फोन पर मिस्ड कॉल, ईमेल और व्हाट्सऐप नंबरों के माध्यम से भी सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। कुमार ने कहा कि रविवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में इस अभियान की औपचारिक शुरुआत की जाएगी। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा रथों को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, जो विभिन्न जिलों में जाकर सुझाव एकत्रित करेंगे। साथ ही, एक विशेष वेबसाइट भी लॉन्च की जाएगी।

'वोट चोरी' से बनी राजग सरकार बिहार में 'जमीन चोर' भी है : कन्हैया कुमार

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने शनिवार को आरोप लगाया कि 'वोट चोरी' से बनी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बिहार में ''जमीन चोर'' भी है। उन्होंने कहा कि राज्य के भागलपुर जिले में अदाणी समूह को एक हजार एकड़ से अधिक भूमि ''औने-पौने दाम'' पर बिजली घर परियोजना के लिए दी गई है।

कन्हैया कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया, वोट चोरी से बनी सरकार जमीन चोर, मुनाफाखोर और बचत चोर भी है। राजग सरकार बिहार के संसाधनों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दोस्तों को सौंपने पर आमादा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस ने '20 साल, 20 सवाल' नामक एक अभियान शुरू किया है, जिसके तहत पार्टी नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 साल के शासनकाल पर सवाल उठाएंगे और सरकार को बेनकाब करेंगे। कुमार ने कहा, इस अभियान के पहले दिन मैंने भागलपुर में अदाणी समूह को कथित रूप से एक रुपए प्रति एकड़ की दर से एक हजार एकड़ जमीन दिए जाने का मामला उठाया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, केंद्र सरकार ने राज्य में बिजलीघर परियोजना के लिए आवंटित 21 हजार करोड़ रुपए प्रधानमंत्री मोदी के मित्र अदाणी को दे दिए। यह परियोजना संप्रग सरकार ने शुरू की थी, जिसे राजग ने हथिया लिया। इस परियोजना से बिहार को मिलने वाला एक लाख करोड़ रुपए का राजस्व अब एक कॉरपोरेट घराने के पास जाएगा।

संप्रग सरकार ने 26/11 के बाद 'विदेशी दबाव' के चलते पाक के खिलाफ कार्रवाई नहीं की : पात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को दावा किया कि केंद्र की पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने 26/11 हमले के बाद ''विदेशी दबाव'' के चलते पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई नहीं की थी।

भुवनेश्वर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारतीय सशस्त्र बलों में वीरता थी, लेकिन देश के नेतृत्व में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस के दबाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से कहा होगा कि वे पाकिस्तान के खिलाफ कोई त्वरित कार्रवाई न करें, जबकि मुंबई हमले में लगभग 160 लोग मारे गए थे। अपने दावे के समर्थन में पात्रा ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के हालिया साक्षात्कार का हवाला दिया। उन्होंने चिदंबरम के उस साक्षात्कार को उद्धृत किया, जिसमें उन्होंने कहा था, पूरी दुनिया दिल्ली पर टूट पड़ी ताकि पाकिस्तान के खिलाफ भौतिक प्रतिशोध की कार्रवाई को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि चिदंबरम के बयान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि वह उस समय देश के गृह मंत्री थे। मुंबई पर 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के चार दिन बाद 30 नवंबर को चिदंबरम ने गृहमंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली थी। 2014 से पहले सशस्त्र बलों में वीरता थी, लेकिन देश के नेतृत्व में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह स्थिति बदल गई, क्योंकि देश को एक मजबूत सशस्त्र बल और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मिली।

कटक में दुर्गा मूर्ति विसर्जन शोभायात्रा के दौरान झड़प में डीसीपी समेत कई लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक/भाषा। ओडिशा के कटक में दुर्गा पूजा मूर्ति विसर्जन शोभायात्रा के दौरान शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात करीब दो बजे हुई, जब शोभायात्रा काथाजोड़ी नदी के किनारे देवीगड़ा की ओर तेज आवाज़ में संगीत बजाते हुए जा रही थी, जिस पर स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई। पुलिस आयुक्त एस. देव. दत्त सिंह ने बताया कि हिंसा के सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, गिरफ्तार किए गए लोग पथराव में शामिल थे और उनकी पहचान सीसीटीवी फुटेज के जरिए की गई।

अधिकारियों ने बताया कि शोभायात्रा के दौरान तेज आवाज में संगीत बजाने पर स्थानीय लोगों द्वारा आपत्ति जताई गई और इससे विवाद हो गया। कुछ ही देर में दोनों समूहों ने एक-दूसरे पर पत्थराव किया और कांच की बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को भीड़ पर लाठीचार्ज करना पड़ा।

पुलिस ने बताया कि एक और शोभायात्रा जब उस क्षेत्र में पहुंची तो तनाव फिर से भड़क उठा। स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को बुलाया गया और भारी सुरक्षा के बीच सुबह करीब छह बजे विसर्जन शोभायात्रा फिर से निकाली गई।

बरेली में अब अमन-चैन, विपक्षी नेता सिर्फ माहौल बिगाड़ना चाहते हैं : मंत्री राठौर

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे पी एस राठौर ने शनिवार को कहा कि बरेली में अब पूरी तरह अमन और चैन है क्योंकि पुलिस ने जिस तरह से समय पर कार्रवाई की, उसने उपद्रव फैलाने की हर साजिश को विफल कर दिया।

यहां जारी एक बयान में राठौर ने कहा, जो भी विपक्षी सांसद या नेता बरेली जाने की बात कर रहे हैं, वे सिर्फ माहौल खराब करने की साजिश के तहत ऐसा कर रहे हैं। सरकार किसी को भी बरेली का अमन-चैन बिगाड़ने की इजाजत नहीं देगी। उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के सांसद और नेता अब बरेली जाकर उन्हीं उपद्रवियों के लिए आंसू बहाने की तैयारी में हैं, जिन्होंने पुलिस और निर्दोष लोगों की जान लेने की कोशिश की। राठौर ने सवाल किया कि वे किसके लिए बरेली जा रहे हैं, उन लोगों के लिए जिन्होंने कानून तोड़ा, पत्थर फेंके और पुलिस पर हमला किया? उन्होंने दावा किया कि किसी निर्दोष को नुकसान नहीं हुआ, केवल कानून तोड़ने वालों को जेल भेजा गया है।

राठौर ने कहा, विपक्षी दलों को लगा था कि बरेली आग में झुलसेगा और उन्हें राजनीतिक फायदा मिलेगा, लेकिन प्रशासन की सख्त कार्रवाई ने उनकी मंशा पर पानी फेर दिया। उन्होंने कहा कि बरेली के लोग शांति और सद्भाव के साथ अपने घरों में अमन चैन से हैं और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी बाहरी ताकत उस माहौल को खराब न कर सके। राज्य मंत्री राठौर ने बताया कि जिस तरह से कुछ लोगों ने रातों-रात माहौल को भड़काने की कोशिश की, उसमें मुख्य रूप से तौकीर रजा और उनके समर्थकों का नाम सामने आया है।

मंत्री ने कहा कि लगातार प्रशासन उनसे बातचीत करता रहा, लेकिन रात करीब 11 बजे एक पत्र वायरल किया गया, जिसमें कहा गया कि आंदोलन नहीं होगा, जुलूस नहीं निकलेगा। फिर देर रात डेढ़ बजे दावा किया गया कि पत्र फर्जी है।

सरकार बताए कि भारत का भरोसेमंद साथी रूस पाकिस्तान को सैन्य सहयोग क्यों दे रहा है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमान जेएफ-17 के लिए रूस द्वारा इंजन की आपूर्ति किए जाने संबंधी खबरों का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि यह मोदी सरकार की कूटनीति की विफलता है और उसे देश को यह बताना चाहिए कि भारत का एक भरोसेमंद साथी रूस, पाकिस्तान को सैन्य सहयोग क्यों दे रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने उन खबरों का हवाला दिया जिनमें कहा गया है कि रूस जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति कर रहा है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि रूस, जो कभी भारत का सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार रहा है, उसने भारत की तमाम अपील को नजरअंदाज करते हुए पाकिस्तान के चीनी निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति क्यों शुरू कर दी। उन्होंने कहा, इस विमान का नवीनतम ब्लॉक-3 संस्करण इसी उन्नत इंजन और उन पीएल-15 मिसाइलों से लैस होगा, जिसके बारे में माना जाता है कि पाकिस्तान ने इसका इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के खिलाफ किया था। भारत के वायु सेना प्रमुख ने कहा है कि जेएफ -17 उन पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों में शामिल हो सकता है जिन्हें भारतीय वायु सेना ने इस साल मई में मार गिराया था।

रमेश ने कहा, मीडिया में आई कई खबरों के अनुसार, यह सौदा जून 2025 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के सीधे हस्तक्षेप के बावजूद आगे बढ़ रहा है।

उनका कहना है कि ऐसे में सरकार को देश को बताना चाहिए कि आखिर क्यों रूस जैसा पुराना और भरोसेमंद सहयोगी अब पाकिस्तान को सैन्य सहयोग दे रहा है, जबकि भारत अब भी रूस से ड-400 मिसाइल सिस्टम खरीद रहा है और सुखोई-57 स्टेल्थ लड़ाकू विमानों पर बातचीत कर रहा है।

रमेश ने दावा किया कि यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री मोदी की उस व्यक्तिगत कूटनीति की एक और नाकामी को उजागर करता है, जो राष्ट्रीय हितों से अधिक छवि निर्माण और वैश्विक तमाशे को प्राथमिकता देती रही है। उन्होंने कहा, वर्षों से चले आ रहे उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन, सुनियोजित फोटो के अवसर और विश्व मंच पर दिखावे के बावजूद कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आए हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, भारत अब तक पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने में नाकाम रहा है। इसके बजाय, पाकिस्तान का शीर्ष नेतृत्व -जिसमें उसका सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी शामिल है, जिसे पहलगाम हमले का सूत्रधार माना जाता है -आज राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सम्मान पा रहा है। पाकिस्तान को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा हथियार मुहैया कराए जा रहे हैं, जबकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसे चीन का पूरा समर्थन प्राप्त था।

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के थौबल और इंफाल पश्चिम जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सभी गिरफ्तारियां शुक्रवार को की गईं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (अपुनबा) की एक महिला समेत दो सक्रिय कार्यकर्ताओं को थौबल वांगखेम से गिरफ्तार किया गया जबकि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक स्वयंभू कॉर्पोरल को इंफाल पश्चिम के निंगोमबाम से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम के नाओरेमथोंग से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया है और जांच जारी है।

जडेजा की वनडे प्रारूप में भी अहम भूमिका : अगरकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने शनिवार को कहा कि स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला रविंद्र जडेजा भले ही ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में नहीं हैं लेकिन वनडे प्रारूप में भारत की रणनीति का हिस्सा हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत के लिए विजयी रन बनाने वाले जडेजा को ऑस्ट्रेलिया के हालात को ध्यान में रखते हुए तीन मैचों की वनडे शृंखला की टीम में जगह नहीं मिली है।

अगरकर ने भारतीय टीम की घोषणा के बाद मीडिया से कहा, ऑस्ट्रेलिया में दो स्पिनर ले जाना संभव नहीं है लेकिन वह रणनीति का हिस्सा है। टीम में जगह के लिए स्पर्धा तो होगी ही। उन्होंने कहा, वह चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में था क्योंकि हमें वहां के हालात में अतिरिक्त स्पिनर चाहिए था। लेकिन यहां एक ही स्पिनर की जरूरत है ताकि टीम में संतुलन रहे। अगरकर ने कहा, ''टीम में वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव भी हैं और उससे ज्यादा की ऑस्ट्रेलिया में जरूरत नहीं है। वह लेकिन रणनीति का हिस्सा है चूंकि बल्लेबाज, गेंदबाज और फील्डर के रूप में वह काफी उपयोगी है। उन्होंने बताया कि एशिया कप फाइनल से पहले चोटिल हुए हार्दिक पंड्या रिहैबिलिटेशन शुरू करायेंगे। उन्होंने कहा, वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए फिट नहीं है। हमें समय के साथ पता चलेगा कि वह कितने अर्से तक बाहर रहेगा। वह सीओई (उत्कृष्टता केंद्र) जाकर रिहैब शुरू करेगा, उसके बाद ही पता चल सकेगा। अगरकर ने यह भी कहा कि तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा वनडे टीम में जगह बनाने के बहुत करीब हैं लेकिन अभी शीर्षक्रम तय है। उन्होंने कहा, रोहित और शुभमन पारी की शुरुआत करेंगे। फिर यशस्वी जायसवाल भी है। लोग भूल जाते हैं कि वह कितना उम्दा खिलाड़ी है। तिलक भी काफी करीब है। हमें 15 खिलाड़ी ही ले जाने हैं क्योंकि तीन मैचों की ही शृंखला है। टेस्ट शृंखला नहीं है जिसमें कुछ खिलाड़ी अतिरिक्त भी जा सकते हैं। अगरकर ने कहा कि जसप्रीत बुमराह ही नहीं बल्कि मोहम्मद सिराज के कार्यभार प्रबंधन का भी ध्यान रखा जायेगा। बुमराह को ऑस्ट्रेलिया में वनडे शृंखला में आराम दिया गया है। उन्होंने कहा, एक रणनीति हमेशा होती है। जब भी उसे ब्रेक दिया जा सकता है, हम देंगे क्योंकि हम सभी को पता है कि वह कितना अहम है। हमें यह भी देखना है कि टीम के हित में क्या है। जब उसकी जरूरत होगी तो वह हमेशा उपलब्ध है।

वाराणसी में लाउडस्पीकर पर 'हनुमान चालीसा' बजाने पर पुजारी को धमकी, दो आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के मदनपुरा इलाके में लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा बजाने पर एक मंदिर के पुजारी को धमकाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुजारी संजय प्रजापति ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को हनुमान मंदिर में पूजा करने के बाद, उन्होंने टेप रिकॉर्डर पर भक्ति गीत चलाए, तभी अब्दुल नासिर और उसका बेटा वहां आए और गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने लाउडस्पीकर बंद करने को कहा और चेतावनी दी कि अगर दोबारा भक्ति गीत बजाया गया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इसके बाद, कई लोग पुजारी को घेरकर धमकाने लगे, जिसके बाद पुजारी ने पुलिस को शिकायत दी। काशी ज़ोन के पुलिस उपायुक्त गौरव बंसल ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और दोनों आरोपियों को शुक्रवार रात गिरफ्तार कर लिया गया

रोहित को हटाकर गिल को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम का कप्तान बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। एक बड़े बदलाव के तहत भारतीय चयनकर्ताओं ने शनिवार को रोहित शर्मा को एक दिवसीय टीम की कप्तानी से हटाकर विश्व कप 2027 के मद्देनजर युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम की कमान सौंपी है।

महेंद्र सिंह धोनी के अलावा रोहित एकमात्र कप्तान हैं जिन्होंने आईसीसी के सफेद गेंद के तीन फाइनल्स में भारतीय टीम की अगुआई कर टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी खिताब दिलाए। उनके नेतृत्व में टीम वनडे विश्व कप में उप विजेता रही थी। वनडे कप्तान के तौर पर रोहित ने 56 मैच में से 42 में जीत दिलाई जिससे उनका जीत का प्रतिशत 76 रहा। चयनकर्ताओं के इस फैसले को गिल को सभी प्रारूपों में कप्तानी सौंपने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। रोहित और विराट कोहली को 15 सदस्यीय भारतीय टीम में चुना गया है जिसकी घोषणा शनिवार को बीसीसीआई ने की। श्रेयस अय्यर को तीन मैचों की वनडे शृंखला के लिए उपकप्तान बनाया गया है।

वनडे मैच 19 से 25 अक्टूबर के बीच सिडनी, एडीलेड और मेलबर्न में खेले जायेंगे जिसके बाद पांच मैचों की टी20 शृंखला होनी है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत वनडे शृंखला से आराम दिया गया है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में निरंतर प्रदर्शन के बाद बायें हाथ के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की वनडे टीम में वापसी हुई है।

चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने पुष्टि की कि रोहित को कप्तानी में बदलाव के बारे में बता दिया गया है लेकिन जब यह पूछा गया कि क्या विराट और रोहित विश्व कप 2027 खेलेंगे तो उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। अगरकर ने कहा, वे अभी इसी प्रारूप में खेल रहे हैं और हमने उन्हें चुना है। जहां तक 2027 विश्व कप का सवाल है तो मुझे नहीं लगता कि उसके बारे में आज कप्तानी में बदलाव के साथ बात करने की जरूरत है। यह पूछने पर कि रोहित ने इस फैसले को किस तरह लिया है, उन्होंने कहा, यह मेरे और रोहित के बीच या हमारे (चयनकर्ताओं) और रोहित के बीच की बातचीत है। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, यह बात उन्हें बता दी गई है। अगरकर ने साफ तौर पर कहा कि अब कुछ ही वनडे खेलने हैं लिहाजा तीन अलग अलग कप्तान रखना असंभव है क्योंकि इससे रणनीति बनाने में दिक्कत होती है। उन्होंने कहा, यह व्यावहारिक तौर पर संभव नहीं है कि तीन प्रारूपों में तीन कप्तान हों। इससे रणनीति बनाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, एक समय पर जाकर आप अगले विश्व कप पर विचार करेंगे और यह प्रारूप अब बहुत कम खेला जाता है।

सुविचार

शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों को सीखना नहीं होता है बल्कि शिक्षा का मुख्य दिमाग को प्रशिक्षित करना होता है।

ट्वीट

राजस्थान के वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री रामेश्वर डूडी जी के निधन के समाचार अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर अपने श्री चरणों मे स्थान दे एवं शोकाकुल परिजनों को ये वज्रपात सहने की हिम्मत प्रदान करे। ॐ शांति।

-अर्जुनराम मेघवाल

आभानेरी महोत्सव के दौरान कुम्हारों के साथ चाक पर मिट्टी से दीपक बनाते हुए पारंपरिक कारीगरी से एक गहरा और भावनात्मक जुड़ाव महसूस हुआ। मिट्टी के खिलौने, दीपकऔर अन्य पारंपरिक उत्पाद बनाने वाले हमारे कुम्हार भाई-बहन हमारी सांस्कृतिक विरासत के सच्चे संरक्षक हैं।

-दिया कुमारी

कहानी

गहरे ज़ख्म

दो दिन से हो रही बारिश रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी । बाहर हो रही तेज बारिश की परवाह किये बगैर यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजन ने विभाग के पोर्च से अपनी कार निकाली और तेजी से कार चलाते हुए वहां से स्थानीय गर्ल्स कॉलेज के लिए रवाना हो गए। उनकी पुत्री नेहा का लेट फीस के साथ कला विषय में प्रथम वर्ष का प्राइवेट स्टूडेन्ट के रुप में एग्जामिनेशन फॉर्म भरने का आखिरी दिन था। फीस के साथ फॉर्म कॉलेज में ही जमा कराना था। नेहा द्वारा भरा गया फॉर्म और साथ में लगने वाले जरुरी कागजात वो अपने साथ लेकर आए थे। कॉलेज के स्टाफ के सभी सदस्य उनसे भली भांति परिचित थे। उन्हें कॉलेज में पुत्री नेहा का फॉर्म जमा कराते देख वहां बैठे क्लर्क ने आश्चर्य से पूछा , सर, नेहा बिटिया तो विज्ञान की स्टूडेन्ट है न, बड़ी मेधावी छात्रा है।मेरी बिटिया के साथ ही उसने पिछले सेशन में बारहवीं कक्षा पास करी थी ।मेरी बिटिया भी गत वर्ष पी. एम. टी.में उत्तीर्ण नहीं हो सकी,वह इसी गर्ल्स कॉलेज में बी.एस.सी प्रथम वर्ष की रेगुलर स्टूडेन्ट है। नेहा बिटिया ने तो पी.एम. टी की दोबारा तैयारी के लिए साल यह ड्रॉप किया है न ?अच्छा है सर डॉक्टर बन जाएगी ,आपका और परिवार का नाम रोशन करेगी। लेकिन सर,आप नेहा का कला विषय में प्राइवेट स्टूडेन्ट के रुप में फॉर्म जमा करवा रहे हैं ,अभी तो पी. एम .टी के पेपर ही नहीं हुए और आप नेहा का विषय ही बदलवा रहे हैं? यह कहकर क्लर्क प्रो.राजन को आश्चर्य से देखने लगा। प्रो.राजन ने उससे कहा कि बिटिया को आगे पढ़कर एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज में जाना है, उसके लिए ग्रेजुएशन ही जरुरी है। अब भले वो मेडिकल ग्रेजुएट हो या अन्य विषय में। कला विषय में उसे वक़्त और गाइडेन्स पूरी मिल जाएगी। इसीलिए उसने विषय बदलने का निर्णय लिया है। क्लर्क जानता था कि प्रो.राजन के साथ पिछले सप्ताह हुआ वाकया ही नेहा के विषय बदलने का कारण था। क्लर्क के मुँह से नेहा बिटिया आपका और परिवार का नाम रोशन करेगी सुनकर प्रो.राजन की आँखों के आगे अपना नाम ,शोहरत और पिछले सप्ताह की घटना एक फिल्म की तरह चलने लगे।

शहर में विनम्र स्वभाव के मिलनसार विद्वान समाजशास्त्री प्रो.राजन का बहुत नाम था । अपनी विद्वता और व्यवहार से उन्होंने बहुत इज्जत और शोहरत कमाई थी। कई सरकारी महकमों में ऊँचे पदों पर बैठे अफसर उनके शिष्य रह चुके थे। शहर में होने वाले साहित्यिक और सामाजिक कार्यक्रमों में अक्सर वो ही अध्यक्षता करते थे। शानदार व्यक्तित्व और किसी भी विषय पर धारा प्रवाह बोलना उन्हें अलग पहचान दिलाता था। आधुनिक समाज के परिवार और परिवेश के बारे में भी उनके विचार अन्य विद्वानों से अलग थे। समाज में शिक्षा और आधुनिक पहनावे से बढ़कर वे संस्कारों को सबसे ऊपर मानते थे। वो इस बात के प्रबल समर्थक थे कि घर का माहौल और उच्च संस्कार ही बच्चे के चरित्र निर्माण और सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी इस बात की तारीफ़ उनके अनेक शिष्य , जिन्होंने उनके मार्गदर्शन में पीएच डी.की उपाधि प्राप्त की थी,अक्सर किया करते थे। प्रो.राजन ने हमेशा अपने स्टूडेन्ट्स को उच्च चरित्र रखने और उस पर अमल करने का पाठ पढाया।

शहर में लड़कियों के साथ बढ़ रही कुछ मनचलों द्वारा छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार के लिए भी प्रो.राजन अधिकतर मामलों में मनचले लड़के और लड़कियों के संस्कारों को ही मुख्य रूप से जिम्मेवार मानते थे। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार की पहल पर प्रदेश और जिला स्तर पर गठित पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वाड को प्रो.राजन ने मुक्त कंठ से सराहनीय कदम बताया था। शहर की विभिन्न सरकारी , गैरसरकारी संस्थाओं और राजनीतिक पार्टियों के स्थानीय नेताओं द्वारा एंटी रोमियो स्क्वाड की महत्ता बताने के लिए आयोजित कार्यक्रमों में प्रो.राजन मुख्य वक्ता होते थे। हर रोज कई अखबारों के पन्ने तो पुलिस द्वारा पकड़े गए शक के दायरे में लड़के और लड़की और उन पर की गई कार्रवाई की खबर से भरे रहते थे। एक खबर समाज शास्त्र के विद्वान प्रो.राजन की इसकी महत्ता को लेकर विशेषज्ञ टिप्पणी की भी होती थी । गुजरते वक़्त के साथ एंटी रोमियो स्क्वाड के साथ वो भी चर्चा में रहने लगे थे।

कहतें हैं बुरा वक़्त आता है तो किसी को कहकर नहीं आता ,बिना बताए ही आता है।प्रो.राजन के साथ भी पिछले सप्ताह कुछ ऐसा ही हुआ था । एक राजनीतिक पार्टी की स्थानीय शाखा ने शहर के टाउन हॉल में समाज, शिक्षा और संस्कार विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया था। स्थानीय सांसद,विधायक ,प्रशासनिक अधिकारियों और विद्वान समाजशास्त्रियों ने इसमे भाग लिया था। प्रो.राजन इसमें मुख्य वक्ता थे। गोष्ठी में आए सभी वक़्ताओं द्वारा अपने-अपने विचार रखने के बाद प्रो.राजन ने अपने विचार रखने शुरु ही किए थे कि उनके मोबाइल पर बार-बार आती हुई कॉल की बज रही घंटी उन्हें परेशान करने लगी। कॉल लगातार आ रही थी। वो मोबाइल पर नम्बर या नाम देखते और उसे बंद कर वापिस जेब में रख देते।बहुत बार ऐसा होते देख सांसद महोदय ने उनसे रुककर मोबाइल पर आ रही कॉल पर बात कर लेने को कहा। मोबाइल कॉल पर बात करते ही अचानक पसीने-पसीने हुए प्रो.राजन जरुरी काम का कहते हुए ,सभी दे माफ़ी मांगते हुए जाने की इजाजत लेकर वहां से चल दिए। उनके साथ वालों ने उनसे कारण जानना चाहा लेकिन उन्होंने किसी को कुछ नहीं बताया।

प्रो. राजन के मोबाइल पर आया कॉल उनकी पुत्री नेहा के कोचिंग इंस्टिट्यूट से था,जिन्होंने उन्हें तुरंत वहां बुलाया था। इंस्टिट्यूट में स्टूडेन्ट्स की भीड़ और पुलिस देखकर मानो उनका कलेजा मुंह को आ गया। किसी तरह वो हिम्मत करके अंदर पहुंचे। अपना परिचय दिया तो इंस्टिट्यूट के व्यवस्थापक ने श्रद्धा से उनके चरण छुए और कहा सर,आपसे मिलकर मैं धन्य हो गया। व्यक्ति के जीवन में समाज और परिवार , चरित्र और संस्कार पर लिखी आपकी अनेक पुस्तकें मैं पढ़ चुका हूं । चरित्र पर कोई दाग नहीं लगे ,इसकी हर सम्भव कोशिश करता हूं और अपने स्टूडेन्ट्स को भी इस बारे में बताता हूं। इससे पहले कि वह कुछ और कहता , प्रो.राजन ने नेहा से मिलाने के लिए कहा । जब उन्हे पूरा वाकया बताया गया तो सुनकर उनके होश उड़ गए। एक बार तो उन्हें अपने कानों पर विश्वास ही नही हुआ। उन्हे पूरा यकीन था कि जो उन्हें बताया जा रहा था वह सही नहीं था। वो जल्दी से जल्दी नेहा से मिलना चाहते थे।

व्यवस्थापक उन्हे उस कमरे के बाहर ले गया जिसमे नेहा थी और उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। इसलिए पुलिस को सूचना दी गई थी। एंटी रोमियो स्क्वाड प्रभारी जोकि थाना अधिकारी भी थे और पुलिसकर्मी सभी प्रो.राजन से परिचित थे, नेहा को दरवाजा खोलने के लिए बहुत देर से कह रहे थे। प्रो.राजन को बताया गया कि लंबे समय से नेहा इंस्टिट्यूट कैम्पस की प्रवेश रजिस्टर में उपस्थित होने के बावजूद भी क्लासेज में अनुपस्थित रहती थी । इस बात पर नज़र रखने के बाद पाया कि वह एक कमरे में,जो अक्सर खाली पड़ा रहता था, उसमें एक लड़के के साथ जाती हुई देखी गई। प्रवेश रजिस्टर की उपस्थिति के अनुसार नेहा के अलावा सभी स्टूडेन्ट्स अपनी-अपनी क्लास में उपस्थित मिले। मतलब वह लड़का उनके इंस्टिट्यूट में नहीं पढ़ता था। वह लड़का अंदर कैसे आ गया यह भी पता लगाना था। कमरे के अंदर नेहा के साथ वह लड़का भी था। यह सुनते ही उनके चेहरे पर तरह - तरह के रंग और भाव चढ़ने उतरने लगे।उनके पांव कांपने लगे और माथे पर पसीने की बूंदें चमकने लगीं। असहज होकर वो भी नेहा से दरवाजा खोलने का कहने लगे।

बहुत देर तक मशक्कत करने और पुलिस द्वारा कमरे का दरवाजा तोड़ने का कहने के बाद नेहा ने दरवाजा खोला । वाकई उसके साथ एक लड़का खड़ा था। उन्हें देखकर वहां खड़े सभी लोग और स्टूडेन्ट्स हैरान रह गए। पुलिस नेहा और उस लड़के को पूछताछ के लिए इंस्टिट्यूट के ऑफिस में व्यवस्थापक और प्रो.राजन के साथ ले गई। सभी को वहां से बाहर करते हुए स्टूडेन्ट्स की क्लासेज की छुट्टी कर दी। कड़ी पूछताछ के बाद लड़के ने बताया कि वह स्थानीय कॉमर्स कॉलेज में फाइनल ईयर का स्टूडेन्ट था। वह और नेहा एक ही स्कूल में पढ़ते थे। वह स्कूल में नेहा से दो साल सीनियर था। दोनों एक ही बस में स्कूल जाते थे। वहीं से उनकी जान पहचान हुई जो कब प्यार में बदल गई ,उन दोनों को पता ही नहीं चला। स्कूल के बाद वह नेहा से यहां मिलने लगा। वो दोनों एक दूसरे के बिना नहीं रह सकते। वह नेहा से शादी करना चाहता था और उससे ही करेगा।

लड़का बिना किसी डर के अपनी और नेहा की लव स्टोरी सुना रहा था।नेहा चुपचाप खड़ी बिना किसी शर्मिन्दगी के अपनी लव स्टोरी सुन रही थी। उसके चेहरे पर किसी तरह के पश्चाताप या घबराहट के भाव नही थे। पढ़ने और अपना कॅरियर बनाने की उम्र में बच्चे बड़ों के सामने इस तरह की बातें कर रहे थे। यह बड़ा ही चिन्ता का विषय था। लड़का इंस्टिट्यूट के कैम्पस में कैसे आता था ,इस प्रश्न का उसने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया।

प्रो.राजन हैरान और परेशान थे। घर से आ रहे फोन कॉल का भी वो कोई जवाब नहीं दे रहे थे । उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वो करें भी तो क्या करें?क्या वो फोन पर ही अपनी पत्नी को बेटी की करतूतें बता दें?पुलिस ने जब व्यवस्थापक और प्रो.राजन से लड़के के खिलाफ कार्रवाई करने का पूछा तो दोनों ने ही इससे अपनी ही बदनामी होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं करने का आग्रह किया। पुलिस ने भी लड़के को भविष्य के लिए जरुरी हिदायत देकर और उसका पूरा ब्यौरा लेकर जाने दिया।

कोचिंग इंस्टिट्यूट में नेहा के एक लड़के के साथ कमरे में पकड़े जाने की खबर शहर में आग की तरह फैल गई थी। नेहा के साथ पढ़ने वाले स्टूडेन्ट्स ने अपने परिवार वालों को कोचिंग इंस्टिट्यूट से जल्दी आने का सही कारण जो बात दिया था। प्रो. राजन नेहा के साथ जब तक घर पहुंचते उससे पहले ही उनकी पत्नी को यह बात अपनी सहेलियों से फोन पर पता चल चुकी थी। घर के अंदर अजीब सा सन्नाटा पसरा हुआ था। सभी सदस्य नम आंखों से एक दूसरे से नजरें चुरा रहे थे। नेहा बिना किसी से बात किए सीधी अपने कमरे में चली गई। सांसद,विधायक,जानकार और समझदार लोग भी फोन करके उनसे इस घटना के बारे में पूछ रहे थे। नेहा को कोचिंग इंस्टिट्यूट से इस घटना के बाद निकाल दिया गया था ,यह सूचना व्यवस्थापक ने उन्हें फोन पर दी ।

प्रो. राजन सोफे पर अपना सिर दोनों हाथों से पकडे बैठे थे। उनकी आंखे आंसुओं से भर गई थीं। रुंधे गले से वो कुछ कहना चाहते थे,पर वह कह नहीं पा रहे थे। उनकी आंखों का सब्र का बाँध टूट गया और वो सिसकियां लेकर रोने लगे।तरह-तरह के विचारों का बवंडर उनके दिल और दिमाग में उठता और उनको अंदर तक झकझोर देता। वो इस घटना से अपनी और परिवार की प्रतिष्ठा पर पड़ने वाले असर को जानते थे। लेकिन उसका सामना करने के लिए वो मानसिक रुप से तैयार नहीं थे। यह कोई मामूली घटना नहीं थी। इसने उनके पूरे परिवार के वजूद को ही हिला दिया था। वो इस बात से भी डरे हुए थे कि लोग क्या सोचेंगे और कहेंगे ? जमाने को उच्च संस्कार की शिक्षा देने वाला प्रोफेसर अपनी पुत्री को ही सही संस्कार नहीं दे सका । जो उन्हें ट्यूशन पढ़ने जाने का कहकर ,धोखा देकर एक लड़के के साथ बंद कमरे में इश्क फरमाते हुए पकड़ी गई। दीये तले अंधेरा ।

घर में सभी आक्रोशित थे लेकिन चुप थे। चिन्तित थे नेहा के भविष्य को लेकर। क्या वह अपने और परिवार पर लगे कलंक को कभी मिटा पाएगी ? घर के सभी बड़े सोच रहे थे की नेहा की परवरिश में उनसे क्या कमी रह गई,जो उन्हे ये दिन देखना पड़ा?उन्हें अपने किन गुनाहों की यह सजा मिली थी? परिवार द्वारा इतने सालों में कमाई इज्जत ,शोहरत सब मिट्टी में मिल गए थे। वो किसी से अब नज़रें तक नहीं मिला सकते थे। परिवार में सभी लोग इस बात से हैरान थे कि घर में किसी को भी नेहा के उस लड़के के साथ किसी तरह के संपर्क या संबंध की बात की भनक तक नहीं थी। प्रो.राजन दुनिया को संस्कार का पाठ पढ़ाते रह गए और उनकी पुत्री नेहा ने अपनी करतूतों से उनकी शिक्षा और संस्कार का जनाज़ा ही निकाल दिया था।

अपने को किसी तरह संभाल कर प्रो.राजन ने अपने संबंधों और संपर्कों को काम में लेते हुए लड़के के ऊपर कोई कार्रवाई न होने देने के कारण थाना अधिकारी से कोचिंग इंस्टिट्यूट में नेहा वाली घटना से संबंधित कोई भी खबर किसी भी अख़बार या टीवी को नहीं देने का आग्रह किया। सभी ने उन्हे इस बात के लिए आश्वस्त किया कि यह खबर नहीं आएगी। अगले दिन किसी भी अखबार में या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में नेहा से संबंधित घटना का जिक्र नहीं था। लेकिन समाज ,शहर और जानकार लोगों के गलियारों में आग की तरह फ़ैल चुकी इस घटना की खबर पर सभी अपने-अपने अन्दाज में चटकारे लेकर बात कर रहे थे और नेहा की इस करतूत को परिवार की इज्जत पर दाग बता रहे थे। नेहा पर इस घटना का कोई असर नहीं था। मानो अप्रत्याशित कुछ हुआ ही नही। उसका मोबाइल और लैपटॉप उससे ले लिया गया था ।घर के सभी सदस्यों ने उसे बहुत समझाया और सब भूलकर अपने कॅरियर की तरफ ध्यान देने को कहा। परिस्थितियों को देखते हुए सभी एक राय थे कि नेहा का विषय ही बदलवा दिया जाए और प्राइवेट स्टूडेन्ट के रुप में परीक्षा दिलवाई जाए। नेहा को इस बारे में बता दिया गया। घर के सभी सदस्य जानते थे कि जैसा वो सोच रहे थे मामला उतना आसान नहीं था। लेकिन उनके पास दूसरा कोई विकल्प भी नहीं था। उनके नाम सम्मान पर जो दाग लगा था वो मिटने वाला नहीं था। जमाना भले ही भूल जाए लेकिन वो इसे ताउम्र नहीं भूला पाएंगे। गुजरते वक़्त के साथ सब ठीक हो जाए सभी भगवान से यही प्रार्थना कर रहे थे।

अचानक एग्जामिनेशन फीस जमा कराने की रसीद ले लेने के लिए क्लर्क की आवाज सुनकर प्रो.राजन अतीत से वर्तमान में लौटे। उनके आस-पास स्टाफ के कई लोग आकर खड़े हो गए थे। उन्हें लगा मानो सभी की आंखों में उनसे पूछने के लिए नेहा वाली घटना के और उसे दिए संस्कार के कई प्रश्न थे ,जिनका उनके पास कोई जवाब नहीं था। उन्हे पता नहीं था कि यह उनका वहम था या वाकई ऐसे प्रश्न लोगों की आंखों में थे । वहां खड़े सभी लोगों का नज़रें चुराते हुए अभिवादन स्वीकार कर प्रो.राजन जल्दी से निकल लिए। बारिश के साथ आसमान में घने बादल छाने से दिन में अंधेरा हो गया था। प्रो.राजन जानते थे कि बादल छंटते ही धूप निकलने के साथ फिर से उजाला हो जाएगा ।लेकिन वो यह नहीं जानते थे कि उनके मान सम्मान पर अंधेरे की जो चादर आ पड़ी है, क्या कभी वह हटकर उनकी ज़िन्दगी में फिर से उजाला हो पाएगा?भारी कदमों से बारिश में भीगते हुए वो अपनी कार की ओर चल दिए।

सुख की बारिश होती तो सभी को अच्छा लगता ,लेकिन यहां तो दुःख की बारिश थमने का नाम ही नहीं ले रही थी। बारिश में भीगने के बाद उनका शरीर और कपड़े तो सूख जाते परंतु अपनों ही द्वारा दिए गए दर्द से उनका अंतस पूरी तरह भीग चुका था। कुछ दूर चल कर वो फिसल कर गिर पड़े। उन्हें हल्के ज़ख्म भी हुए। जख्मों की परवाह न करते हुए वो उठे और कार में बैठकर रवाना हो गए। गिरने से हुए ज़ख्म तो फिर भी दवा से ठीक हो जाते ,लेकिन नेहा की घटना ने उन्हें अपनी ही निगाहों में गिराकर आत्मा को गहरे ज़ख्मों से छलनी कर दिया उसका इलाज नहीं था । इन गहरे ज़ख्मों की टीस उनको जीवन भर रहेगी और सालती रहेगी।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

को जागर्ति?

इसी सप्ताह शरद पूर्णिमा सम्पन्न हुई। इसे कौमुदी पूर्णिमा अथवा कोजागरी के नाम से भी जाना जाता है। अश्विन मास की पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा कहलाती है। शरद पूर्णिमा अर्थात द्वापर में रासरचैया द्वारा राधारानी एवं गोपिकाओं सहित महारास की रात्रि, जिसे देखकर आनंद विभोर चांद ने धरती पर अमृतवर्षा की थी।

चंद्रमा की कला की तरह घटता-बढ़ता-बदलता रहता है मनुष्य का मन भी। यही कारण है कि कहा गया, 'चंद्रमा मनसो जातः।'

यह समुद्र मंथन से लक्ष्मी जी के प्रकट होने की रात्रि भी है। समुद्र को मथना कोई साधारण कार्य नहीं था। मदरांचल पर्वत की मथानी और नागराज वासुकि की रस्सी या नेती, कल्पनातीत है। सार यह कि लक्ष्मी के अर्जन के लिए कठोर परिश्रम के अलावा कोई विकल्प नहीं।

लोकमान्यता है कि कोजागरी की रात्रि लक्ष्मी जी धरती का विचरण करती हैं और पूछती हैं, 'को जागर्ति?'.. कौन जग रहा है?..जगना याने ध्येयनिष्ठ और विवेकजनित कर्म।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान का उवाच है,

या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी।
यस्यां जाग्रति भूतानि सा निशा पश्यतो मुनेः।। (2.69)

सब प्राणियोंके लिए जो रात्रि के समान है, उसमें स्थितप्रज्ञ संयमी जागता है और जिन विषयोंमें सब प्राणी जाग्रत होते हैं, वह मुनिके लिए रात्रि के समान है । सब प्राणियों के लिए रात क्या है? मद में चूर होकर अपने उद्गम को बिसराना,अपनी यात्रा के उद्देश्य को भूलना ही रात है। इस अंधेरी भूल-भुलैया में बिरले ही सजग होते हैं, जाग्रत होते हैं। वे निरंतर स्मरण रखते हैं कि जीवन क्षणभंगुर है, हर क्षण परमात्म तत्व को समर्पित करना ही लक्ष्य है। इन्हें ही स्थितप्रज्ञ कहा गया है।

साधारण प्राणियों का जागना क्या है? उनका जागना भोग और लोभ में लिप्त रहना है। मुनियों के लिए दैहिकता कर्तव्य है। वह पर कर्तव्यपरायण तो होता है पर अति से अर्थात भोग और लोभ से दूर रहता है। साधारण प्राणियों का दिन, मुनियों की रात है।

अब प्रश्न उठता है कि सर्वसाधारण मनुष्य क्या सब त्यागकर मुनि हो जाए? इसके लिए मुनि शब्द का अर्थ समझना आवश्यक है। मुनि अर्थात मनन करनेवाला, मननशील। मननशील कोई भी हो सकता है। साधु-संत से लेकर साधारण गृहस्थ तक।

मनन से ही विवेक उत्पन्न होता है। दिवस एवं रात्रि की अवस्था में भेद देख पाने का नाम है विवेक। विवेक से जीवन में चेतना का प्रादुर्भाव होता है। फिर चेतना तो साक्षात ईश्वर है। ..और यह किसी संजय का नहीं स्वयं योगेश्वर का उवाच है।

वेदानां सामवेदोऽस्मि देवानामस्मि वासवः।
इंद्रियाणां मनश्चास्मि भूतानामस्मि चेतना।। (10.22)

श्रीमद्भगवद्गीता में ही भगवान कहते हैं कि मैं वेदों में सामवेद हूँ, देवों में इंद्र हूँ, इंद्रियों में मन हूँ और प्राणियों की चेतना हूँ।

जिसने भीतर की चेतना को जगा लिया, वह शाश्वत जागृति के पथ पर चल पड़ा। 'को जागर्ति' के सर्वेक्षण में ऐसे साधक सदैव दिव्य स्थितप्रज्ञों की सूची में रखे गए।

बोध कथा

बुलबुल और अमरूद

बच्चो! जो मैं आपको बताने जा रहा हूँ, वह सदियों पहले की बात है । एक बार एक बुलबुल को अत्यधिक भूख लगी । वह भोजन तलाश करते-करते एक अमरूद के पौधे पर जा बैठी और अपनी चोंच से अमरूद कुतरने लगी। ऐसा करते हुए उसने उतने अमरूद खाए नहीं थे जितने कि चोंच मारकर-मारकर जमीन पर फेंक दिए थे। अमरूद के पौधे से इस तरह की बर्बादी सहन नहीं हुई। उसने बुलबुल से कहा, 'ओ! बुलबुल! तुझ में और तोते में भला अब क्या फर्क रह गया है? वह भी खाता कम है और नष्ट ज्यादा करता है, तुम भी वैसा ही कर रही हो।

उसकी यह बात सुनकर बुलबुल चिढ़ गई और बोली, तुम कितने मूर्ख हो? मेरी तुलना तोते से कर रहे हो? कहाँ मैं, कहाँ वो।

अमरूद के पौधे ने पूछा, वह कैसे ? मैं अगर पेट भरने के लिए फल खाती हूँ , तो साथ-साथ तुम्हें मीठे गीत भी तो सुनाती हूँ । है ना? बुलबुल ने कहा। अमरूद का पौधा कुछ देर सोचने के पश्चात बोला ,बात तो तुम्हारी सही है, लेकिन यदि तुम केवल पके हुए फल ही खाओ तो तुम्हें भी खाने में आसानी रहेगी और मुझे भी पीड़ा कम होगी क्योंकि पके हुए फलों को तो एक दिन झड़ना ही होता है। बुलबुल को उसकी बात जंच गई और वह खुशी-खुशी मान गई । उसके बाद वह पके हुए फल ही खाने लगी। जब उसका पेट भर जाता, तो वह एक भी फल को व्यर्थ चोंच न मारती।

एक दिन सुबह-सुबह शीतल हवा में झूमते हुए अमरूद के पौधे ने पास खड़े अनार के पौधे को यह सारी बात बताई। अभी दोनों पौधे बातें कर ही रहे थे कि इतनी देर में एक लड़का वहाँ आया और छड़ी की सहायता से अमरूद के पौधे पर वार करके अमरूद झाड़ने लगा। उसने कच्चे, अधपके और पक्के सभी तरह के कितने ही अमरूद झाड़ कर जमीन पर गिरा दिए। फिर उनमें से जो पक्के और अच्छे लगे वह चुन लिए बाकी वहीं जमीन पर गिरे रहने दिए , और चला गया । उसके जाने के बाद अनार का पौधा बड़े दुखी मन से बोला, मित्र अमरूद! बात तो तुम्हारी ठीक है, पर जो बात बुलबुल को समझ आ गई वह बात इन मनुष्यों को कब समझ आएगी। अनार के पौधे की बात सुनकर आसपास खड़े दूसरे पौधे और उन पर बैठे पक्षी सोच में पड़ गए।

वीर गाथा

मेजर सीवीएस निखिलः सरहद पर चला ऐसा फौजी दांव, उग्रवादियों के उखड़ गए पांव

मेजर सीवीएस निखिल का जन्म हैदराबाद में सीवी विजय कुमार और लक्ष्मी के घर में हुआ था। वे भारतीय सेना की पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) की 21वीं बटालियन में नियुक्त हुए थे। निखिल ने भारत-म्यांमार सीमा के पास एक ऑपरेशन के दौरान असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया था।

उन्होंने बतौर टीम लीडर उच्च स्तर के कौशल का परिचय दिया था। उनकी सैन्य सूझबूझ के कारण उग्रवादी समूह के दो सदस्यों का खात्मा हुआ था। इसके अलावा भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की घटनाओं को नाकाम किया गया था। 23 नवंबर, 2023 को खुफिया सूत्रों से उग्रवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष सूचना मिली थी। इसके बाद निखिल ने उन रास्तों पर जवानों को तैनात कर दिया था, जिनका इस्तेमाल उग्रवादियों द्वारा किया जा सकता था।

भारतीय जवान वहां कड़ी नजर बनाए हुए थे। अचानक उन्हें उग्रवादी नजर आए। मेजर निखिल ने उन्हें ललकारा, लेकिन उन्होंने जवानों की ओर गोलीबारी की। इसके जवाब में जवानों ने भी गोलीबारी की। निखिल अपनी योजना के अनुसार उग्रवादियों को उस इलाके की ओर धकेलने में कामयाब हुए, जहां से उन पर और ज्यादा घातक तरीके से वार किया जा सकता था। इस दौरान उग्रवादियों के पांव उखड़ने लगे थे। कुछ उग्रवादियों को पकड़ लिया गया था। वहीं, एक कुख्यात उग्रवादी को निखिल ने मार गिराया था। इस ऑपरेशन को सामरिक कुशलता और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के साथ कामयाब बनाने वाले मेजर सीवीएस निखिल को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुंबई आतंकी हमले के बाद अमेरिकी दबाव में थी संप्रग सरकार : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद कांग्रेस नीत संप्रग सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की क्योंकि वह ''अमेरिकी दबाव के आगे झुक गई थी। भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्रियों पी. चिदंबरम और मनीष तिवारी की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए यह आरोप लगाया। यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से यह स्पष्ट करने को कहा कि मनमोहन सिंह सरकार ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की अनुमति क्यों दी। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी हाल ही में चिदंबरम द्वारा एक समाचार चैनल को दिए गए साक्षात्कार में किए गए खुलासों पर सफाई दें। भाटिया ने कहा कि तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री चिदंबरम ने साक्षात्कार में कहा था कि पूरी दुनिया दिल्ली पर टूट पड़ी ताकि पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिशोध की कार्रवाई को रोका जा सके।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस ने उनसे और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से प्रतिक्रिया न देने को कहा था।भाजपा प्रवक्ता ने कहा, और कोई कार्रवाई नहीं की गई।भाटिया ने आरोप लगाया, कांग्रेस के शासनकाल में 26/11 के हमले के बाद जब भारत कड़ी प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा था, सोनिया गांधी वाशिंगटन से निर्देशों का इंतजार कर रही थीं। यह समझौतावादी और कमजोर कांग्रेसनीत संप्रग सरकार की विदेश नीति थी।

भाजपा प्रवक्ता ने मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी चिदंबरम द्वारा किए गए खुलासों को गंभीर चिंता का विषय बताया है।भाटिया ने पूछा, राहुल गांधी कहां हैं? क्या वह देश की जनता के प्रति जवाबदेह नहीं हैं? उन्होंने पूछा, राहुल गांधी की प्राथमिकता क्या है?

क्या सिर्फ एक देश में जाना, चार दिन वहां रहना, भारत के खिलाफ साजिश रचकर भारत को कमजोर करना, भारत को बदनाम करना, और देश के नागरिकों द्वारा उठाए जा रहे जरूरी सवालों का जवाब न देना?कोलंबिया में गांधी की हालिया टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए भाटिया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता जो मुंबई आतंकवादी हमले के बाद सुबह चार बजे तक पार्टी कर रहे थे, विदेश जाकर विदेशी धरती पर कहते हैं कि भारत विश्व का नेतृत्व नहीं करना चाहता।

लंदन फिल्म महोत्सव में 'शोले' के 50 साल पूरे होने पर होगी विशेष स्क्रीनिंग

लंदन/भाषा। लंदन फिल्म महोत्सव अब तक की सबसे मशहूर बॉलीवुड फिल्म ''शोले'' के 50 साल पूरे होने पर इसके विशेष प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है जिसमें निर्देशक द्वारा हटाये गए कुछ अंशों और फिल्म के मूल अंत को जोड़ते हुए इसे दिखाया जायेगा। ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट (बीएफआई) का यह वार्षिक महोत्सव अगले सप्ताह से शुरू होगा। फर्स्ट फीचर प्रतियोगिता में लखनऊ में जन्मे अहमद अलाउद्दीन जमाल की ''होटल लंदन'' और अनुपर्णा रॉय की पहली फिल्म ''सॉन्ग्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीस'' भी शामिल हैं।

रमेश सिप्पी निर्देशित ''शोले'' 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी और इसने दर्शकों को जय-वीरू , ठाकुर , गब्बर , बसंती और राधा जैसे मशहूर किरदार दिए। अमिताभ बच्चन ने कहा, फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने इसमें मूल रूप से कहानी का होने वाला अंत व कुछ हटाए गए दृश्य भी शामिल किए। जय की भूमिका हमेशा मेरे मन में अंकित रहेगी।

उन्होंने एक बयान में कहा, फिल्म की शूटिंग करना कभी न भुलाये जाने वाला अनुभव रहा किंतु उस समय मुझे यह जरा भी कल्पना नहीं थी कि यह भारतीय सिनेमा के लिए एक इतिहास बनेगी। इसे असफल घोषित करने से लेकर बॉक्स ऑफिस पर रिकार्ड तोड़ सफलता के नाटकीय बदलाव तक हम सभी के लिए भावनात्मक रूप से यह बड़ा उतार चढ़ाव भरा सफर रहा.... मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म 50 साल बाद भी दुनिया भर में नई पीढ़ी को आकर्षित करेगी।

केजरीवाल के लिए जीर्णोद्धार कराए गए बंगले को राजकीय अतिथि गृह में बदला जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों के केंद्र में रहे उस बंगले को कैंटीन युक्त राज्य अतिथिगृह के रूप में बदलने की योजना बना रही है जिसका जीर्णोद्धार अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहने के दौरान खुद उनके लिए किया गया था।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिविल लाइंस में फ्लैगस्टाफ रोड पर स्थित बंगला नंबर छह में शहर के अन्य राज्य भवनों की भांति जल्द ही एक कैंटीन खुलेगी और वहां पारंपरिक व्यंजन परोसे जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह सुविधा आम लोगों के लिए खुली रहेगी।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार प्रस्ताव में इस बंगला परिसर में एक पार्किंग स्थल, प्रतीक्षागृह और अन्य सुविधाएं तैयार किया जाना शामिल है।

सरकारी अधिकारी ने बताया, सरकार इस बंगला नंबर छह में एक राजकीय अतिथि गृह बनाने के काम को अंतिम रूप देने के करीब है, जो पूर्व मुख्यमंत्री के आवास के रूप में खाली पड़ा है। इसमें एक भोजनालय, पार्किंग और अन्य सुविधाएं होंगी।

अधिकारी ने कह कि जिस तरह अन्य राजकीय अतिथिगृहों में बैठकों और प्रशिक्षण कार्यशालाओं के लिए अधिकारी एवं मंत्री पहुंचते हैं और ठहरते हैं तथा कमरों का किराया देते हैं, उसी तरह यहां भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना को अभी उच्च अधिकारियों से अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है।

अधिकारी ने बताया कि फिलहाल बंगले के रखरखाव के लिए लगभग 10 कर्मी पहले से ही मौजूद हैं तथा उनकी जिम्मेदारी रोजाना झाड़ लगाना, सफाई करना और रेफ्रिजरेटर एवं एयर कंडीशनर जैसे बिजली के उपकरण चलाना है।

पिछले कुछ महीनों में, दिल्ली सरकार ने इस बात को लेकर कई विकल्प पेश किए हैं कि इस आवास का क्या इस्तेमाल हो सकता है। यह बंगला केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहने के दौरान अपने भव्य नवीनीकरण के लिए गहन जांच के दायरे में आया था।

भाजपा ने इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाते हुए इस बंगले को 'शीश महल' बताया था और वादा किया था थी कि उसके मुख्यमंत्री वहां नहीं रहेंगे।

दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग ने 2022 में उपराज्यपाल वी के सक्सेना के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी द्वारा 'इस बंगले के नवीनीकरण में बरती गई अनियमितताओं और लागत में वृद्धि' के आरोपों की जांच शुरू की थी।

वर्तमान में, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) दिल्ली विधानसभा में तत्कालीन विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता की शिकायत पर मामले की जांच कर रही है। गुप्ता ने दिसंबर 2024 में सक्सेना से इस संबंध में शिकायत की थी।

नलकूपों से पानी के दुरुपयोग को रोकने के लिए अपनाएं वैज्ञानिक पद्धति : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ /भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने शनिवार को राजकीय नलकूपों के जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण को लेकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की।

बैठक में योगी ने कहा, किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि नलकूपों से पानी के दुरुपयोग को रोकने के लिए वैज्ञानिक पद्धति अपनाई जाए और जलसंरक्षण की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा का मौसम इसके लिए सबसे उपयुक्त है क्योंकि इससे भूगर्भीय जल स्तर को बनाए रखने में मदद मिलेगी और 'डार्क जोन' वाले क्षेत्रों में सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना, बाण सागर, मध्य गंगा जैसी प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा कर उसमें कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के सशक्त क्रियान्वयन से ग्रामीण और शहरी इलाकों में पानी की समस्याओं का समाधान होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की सिंचाई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नलकूपों का प्राथमिकता के आधार पर जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण किया जाए, फलस्वरूप सिंचाई क्षमता बढ़ेगी, किसानों की लागत घटेगी और उन्हें आधुनिक तकनीक आधारित सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

प्रियंका चोपड़ा ने मानवता की सेवा में लगे लोगों से मिलकर जताई खुशी, कहा- 'आप लोग सच्ची प्रेरणा हैं'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक विशेष आयोजन में हिस्सा लिया, जिसकी झलक उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया पर साझा की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर इस खास पल की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इन तस्वीरों में वह अपने पति और आयोजन में मौजूद लोगों के साथ नजर आ रही हैं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, इस आयोजन में मुझे प्राथमुसा के साथ काम करने वाले उन अद्भुत लोगों से मिलने का मौका मिला, जो मानवता की सेवा में लगे हैं। इस अनुभव ने मेरे दिल को सुकून दिया। अभिनेत्री ने आयोजन की मेजबानी करने वाली रुकमणी

और उनकी टीम की तारीफ करते हुए लिखा, आप लोग सच्ची प्रेरणा हैं। एक ऐसी दुनिया में, जहां हर दिन नई चुनौतियां आती हैं, आप जैसे लोग जो उम्मीद और मानवता पर भरोसा रखते हैं, हमें बेहतर करने की प्रेरणा देते हैं। प्रियंका ने सभी से हर दिन बेहतर करने की अपील की। तस्वीरों में प्रियंका आयोजन की चमक-दमक और गर्मजोशी के बीच बेहद खूबसूरत अंदाज में दिख रही हैं।

इसी के साथ ही अभिनेत्री ने एक मजेदार वीडियो क्लिप शेयर किया, जिसमें निक जोनस उनके बाल खोलने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं, जबकि प्रियंका इस पल को रिकॉर्ड करते हुए हंस रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका को हॉलीवुड एक्शन-कॉमेडी 'हेड्स ऑफ स्टेट' में देखा गया था। फिल्म अमेजन प्राइम पर मौजूद है। एक्ट्रेस एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग कर रही है, जो हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों हैं। एक्ट्रेस 'सिटाडेल-2', 'द ब्लफ', 'जजमेंट डे', और 'एसएसएमबी 29' में सुपरस्टार महेश बाबू के साथ फिल्म में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी, और उम्मीदें जताई जा रही हैं कि प्रियंका 'कृष 4' में भी दिख सकती हैं।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में उर्वशी रौतेला ईडी के सामने हुईं पेश

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और मॉडल उर्वशी रौतेला मंगलवार को '1एक्स बीईटी' नामक एक ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुईं। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी। उर्वशी रौतेला (31) इस प्लेटफॉर्म की भारत में एंबेसडर है, जो कैरेबियाई द्वीप कुराकाओ में पंजीकृत है। सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत उसका बयान दर्ज करना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ सप्ताह में ईडी ने इस जांच के तहत युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन जैसे क्रिकेटरों के अलावा अभिनेता सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती (पूर्व टीएमसी सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली सिनेमा कलाकार)

से भी पूछताछ की है। कुछ चर्चित सोशल मीडिया हस्तियों से भी पूछताछ की गई है।

एजेंसी द्वारा धन शोधन निरोधक कानून के तहत कुछ खिलाड़ियों और अभिनेताओं की करोड़ों रुपये की संपत्ति भी जब्त किये जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि पोर्टल 1एक्सबीईटी से जुड़े मामले की जांच में पाया गया कि इनमें से कुछ हस्तियों ने उन्हें दिए गए विज्ञापन शुल्क का इस्तेमाल कई तरह की संपत्तियां हासिल करने में किया। ये संपत्तियां धन शोधन विरोधी कानून के तहत अपराध की आय के रूप में दर्ज की गईं। कुराकाओ में पंजीकृत 1एक्सबीईटी के अनुसार, यह सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों का अनुभव रखने वाला एक विश्व स्तरीय सट्टेबाजी मंच है। कंपनी की वेबसाइट और ऐप 70 भाषाओं में उपलब्ध होने के कारण, ग्राहक हजारों खेल आयोजनों पर दांव लगा सकते हैं, जैसा कि इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी में बताया गया है। केंद्र सरकार ने हाल में कानून बनाया जिसके तहत भारत में वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सरकारी प्रतिबंध से पहले बाजार विश्लेषण फर्मों और जांच एजेंसियों द्वारा किए गए अनुमानों के अनुसार, ऐसे विभिन्न ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के लगभग 22 करोड़ भारतीय उपयोगकर्ता हैं। इनमें से आधे नियमित उपयोगकर्ता हैं।

दुनिया भर से मिल रहा प्यार अविश्वसनीय है, ये मुझे भावुक कर देता है: आर्यन खान

मुंबई/भाषा। आर्यन खान ने कहा कि उनकी पहली ओटीटी शृंखला 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के लिए दुनिया भर से मिल रहे प्यार से वह बेहद खुश और भावुक हैं। यह शृंखला 'नेटफ्लिक्स' की भारत की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बनकर उभरी है।

अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान द्वारा बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर बनाई गई इस शृंखला में दर्शकों को हिंदी फिल्म जगत के पर्दे के पीछे की दुनिया दिखाई गई है। इसमें बॉलीवुड की चकाचौंध के साथ-साथ स्टार बनने की मुश्किलों को भी दिखाया गया है। आर्यन खान ने एक बयान में कहा, दुनिया भर से मिल रहा प्यार अविश्वसनीय है। यह शो कई देशों में छाया हुआ है और सोशल मीडिया पर रील्स, मीम्स से भरा हुआ है। जो कहानी कभी मेरी थी, अब वो सच में दर्शकों की बन गई है। और ये सिर्फ 'नेटफ्लिक्स' की वजह से संभव हो पाया कि यह कहानी दुनिया भर के घरों तक पहुंच सकी।

बयान में उन्होंने कहा, जैसे कि जराज (शो का एक लोकप्रिय किरदार) बड़े शांत स्वभाव से कहता है... अब पहचाना?''

शृंखला में असफल अभिनेता जराज सक्सेना का किरदार निभा रहे रजत बेदी के एक लोकप्रिय 'डायलॉग' का हवाला देते हुए आर्यन खान ने कहा कि इस शृंखला को बनाने का सफर चुनौतियों से भरा था लेकिन कहानी में उनके विश्वास ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, जब भी हालात मुश्किल होते, तो मेरे मन में जराज की आवाज गूंजती-'हारने में और हार मानने में बहुत फर्क होता है'। शुरू में तो लगा कि ये प्रेरणा है, लेकिन जल्दी ही समझ आ गया कि ये नींद पूरी न होने और थकान का असर है।

खान ने कहा, फिर भी, उसी सोच ने मुझे आगे बढ़ने की हिम्मत दी और अब मेरे काम से लोगों को मिली खुशी देखना मेरे लिए बेहद भावुक कर देने वाला है...यही वजह है कि मैं ये सब करता हूं...।

नेटफ्लिक्स के अनुसार दो हफ्ते पहले रीलीज होने के बाद से यह शृंखला 'नेटफ्लिक्स इंडिया' की शीर्ष 10 सूची में सबसे ऊपर रही है और दुनियाभर में भी यह शीर्ष पांच गैर-अंग्रेजी टीवी शो में शामिल हुई है।

'नवरंग' फेम अभिनेत्री संध्या शांताराम का निधन

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर आई। मशहूर अभिनेत्री और वी. शांताराम की तीसरी पत्नी संध्या शांताराम का निधन हो गया है। उन्होंने 87 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह अभिनय के साथ ही अपने डांस के लिए भी जानी जाती थी। बताया जा रहा है कि संध्या शांताराम का अंतिम संस्कार शनिवार को शिवाजी पार्क स्थित वैकुंठ धाम में किया गया। महाराष्ट्र सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मामलों के कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए यह जानकारी दी।

उनकी एक तस्वीर शेयर करते हुए आशीष शेलार ने लिखा, फिल्म 'पिंजरा' की प्रसिद्ध अभिनेत्री संध्या शांताराम के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने मराठी और हिंदी सिनेमा में अपने अद्भुत अभिनय और नृत्य कौशल से दर्शकों पर एक अनूठी छाप छोड़ी। फिल्म 'झनक झनक पायल बाजे,' 'दो आंखें बारह हाथ,' और खासकर 'पिंजरा'

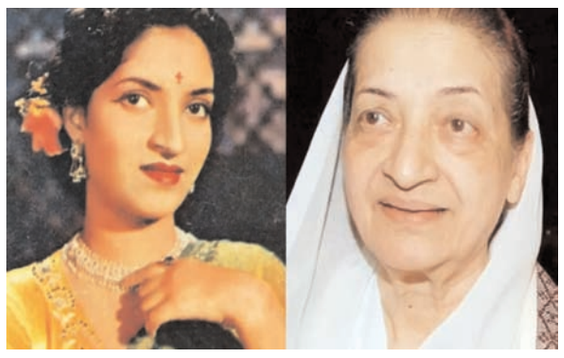

में उनकी अमर भूमिका दर्शकों के दिलों में हमेशा याद रहेगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें! संध्या शांताराम को मराठी और हिंदी में अपने शानदार अभिनय और कुशल नृत्य के लिए जाना जाता था। वह मशहूर फिल्मकार वी. शांताराम की तीसरी पत्नी थीं। उन्होंने अपनी दूसरी पत्नी जयश्री से तलाक लेने के एक महीने बाद ही संध्या से शादी कर ली। दोनों ने फिल्म 'पिंजरा' में साथ काम किया था। हालांकि संध्या ने अधिक फिल्में नहीं की हैं, लेकिन उन्हें हिंदी सिनेमा की कुछ यादगार फिल्मों के लिए जाना जाता है। वी. शांताराम ने 1951 में अपनी फिल्म 'अमर भूपाली' के लिए नई प्रतिभाओं की तलाश के दौरान संध्या की प्रतिभा को पहचाना था। फिल्म निर्माता को उनकी मनमोहक आवाज ने प्रभावित किया था। इस फिल्म में संध्या ने एक सिंगर का रोल प्ले किया था। उन्हें 'झनक झनक पायल बाजे', 'दो आंखें बारह हाथ', 'नवरंग', 'पिंजरा' और 'अमर भूपाली' जैसी फिल्मों के लिए आज भी याद किया जाता है। फिल्म 'झनक झनक पायल बाजे' में वह गोपी कृष्ण के साथ दिखाई दी थीं। इस फिल्म के लिए गोपी ने ही उन्हें डांस सिखाया। फिल्म ने बाद में चार फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किए थे।

शरवरी वाघ ने दशहरे पर शुरू की इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली कर रहे हैं। इस फिल्म में वेदांग रैना उनके अपोजिट दिखाई देंगे। दशहरे के शुभ अवसर पर अभिनेत्री शरवरी वाघ ने यह खुशखबरी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकीं। इसके बजाय उन्होंने अपने कमरे में फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ एक छोटी सी पूजा की और फिल्म की शुरुआत की। इस तस्वीर में एक नोटबुक भी रखी है, जिस पर उन्होंने कुछ लिखा था और जिसे ताजा गुड़हल के फूलों से सजाया गया था। इसे शेयर करते हुए शरवरी ने लिखा, आज पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकी, इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। दशहरा की शुभकामनाएं। एक बेहद खास निर्देशक और टीम के साथ एक बेहद खास फिल्म की शूटिंग शुरू कर रही हूं।

जून में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस समय शरवरी ने उत्साह और आभार व्यक्त करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, मेरे जन्मदिन पर यह घोषणा देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन। इम्तियाज अली सर, जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा है, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने के लिए तत्पर थी। यह मेरे लिए सीखने का सबसे अद्भुत अनुभव होगा। आपके विजन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे चुनने के लिए धन्यवाद। इस ड्रीम टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस नए सफर के लिए बेहद उत्साहित हूं।

शरवरी वाघ ने 2021 में यशराज की फिल्म 'बंटी और बबली 2' से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी जैसे कलाकार भी थे। उन्हें पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'मुंज्या' के लिए भी जाना जाता है। वह बहुत जल्द फिल्म 'अल्फा' में अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ दिखाई देंगी। इस फिल्म में बॉबी देओल भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

बॉलीवुड के 'पॉ'-सम रिश्ते : सितारे एनिमल डे पर दिखा रहे हैं प्रजातियों से प्यार

मुंबई/एजेन्सी

जब दुनिया वर्ल्ड एनिमल डे मना रही है, तब बॉलीवुड सितारे यह साबित कर रहे हैं कि प्यार की कोई सीमा नहीं होती। ग्लैमर और चमक-धमक से परे, कई सेलेब्रिटीज अपने प्यारे पालतू जानवरों के साथ ज़िंदगी के ऐसे पल साझा करते हैं जो उन्हें खुशी, सुकून और बिना शर्त प्यार देते हैं। कभी मस्तीभरे खेल, तो कभी आवारा जानवरों के लिए दिल छू लेने वाली अपील ये सितारे हमें याद दिलाते हैं कि जानवरों के प्रति करुणा, इंसानियत का सबसे सच्चा रूप है। आइए नज़र डालते हैं उन बॉलीवुड सितारों पर जो अपने प्यारे पालतू साथियों के साथ हर दिन को वर्ल्ड एनिमल डे बना देते हैं। वरुण धवन वरुण धवन अक्सर अपने प्यारे डॉगी 'जोई' के साथ दिल छू लेने वाली तस्वीरें और वीडियोज़ साझा करते हैं। दोनों का बंधन इस बात की खूबसूरत मिसाल है कि पालतू जानवर हमारे जीवन में कितना निस्वार्थ प्यार लाते हैं। पर्दे पर जहां वरुण अपनी एनर्जी से दर्शकों को रोमांचित करते हैं, वहीं ऑफ-कैमरा वो एक प्यारे, स्नेही पेट पैरेंट बन जाते हैं और फैंस को उनकी ये कोमल झलक बेहद पसंद आती है।

जान्हवी कपूर : जान्हवी कपूर न केवल जानवरों से बेहद प्यार करती हैं, बल्कि उनके अधिकारों और भलाई के लिए

भी आवाज़ उठाती हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रे डॉग्स के समर्थन में कहा कि वे इस ठंडी, बेरहम दुनिया में हमारी गर्माहट हैं। उनका ये बयान उनके गहरे दया-भाव और संवेदनशील दिल को दर्शाता है।

कार्तिक आर्यन : कार्तिक आर्यन की फुर्तीली साथी 'कटोरी' खुद सोशल मीडिया स्टार बन चुकी हैं। अपने गोल-मटोल शरीर की वजह से 'कटोरी' नाम रखने वाले कार्तिक और उनके बीच की प्यारी नोक-झोंक फैन्स को खूब भाती है। कटोरी सिर्फ उनकी पालतू नहीं, बल्कि उनके घर की धड़कन हैं।

आलिया भट्ट : आलिया भट्ट और उनकी प्यारी बिल्ली 'एडवर्ड' का रिश्ता उतना ही कोमल है जितनी उनकी मुस्कान। समय-समय पर आलिया अपने और एडवर्ड के पलों की झलकें साझा करती रहती हैं, जिससे उनकी देखभाल और स्नेह झलकता है। चाहे शांत लींववश्रशी हों या श्रिरूषींश्र ाशपीी दोनों की कैमिस्ट्री में बस प्यार ही प्यार है।

अनन्या पांडे : अनन्या पांडे के चार पैरों वाले बेस्ट फ्रेंड 'रायट' का नाम भले ही शरारती हो, मगर वह पूरे दिल के साथ अनन्या का साथी है। उनकी इंस्टाग्राम फीड में रायट के साथ कई क्यूट पलों की झलक मिलती है कभी कार सेल्फी, तो कभी आलस भरी दोपहर की लींववश्रशी। दोनों की जुगलबंदी अनन्या की पर्सनैलिटी को दर्शाती है।

पुलकित सम्राट : पुलकित सम्राट और उनके स्टाइलिश डॉगी 'ड्रोगो' बॉलीवुड की सबसे प्यारी जोड़ियों में से एक हैं। उनके सोशल मीडिया पर ड्रोगो के साथ की कई प्यारी तस्वीरें देखने को मिलती हैं। अपनी क्यूट पोज़ के चलते ड्रोगो खुद एक मिनी सेलिब्रिटी बन चुका है।

कृति खरबंदा : एक सच्ची एनिमल लवर, कृति खरबंदा भी पुलकित की तरह ड्रोगो पर जान छिड़कती हैं। वो उसके लिए बर्थडे केक बनाती हैं और उनके साथ प्यारे फैमिली मोमेंट्स शेयर करती हैं। ड्रोगो के साथ उनका प्यार उनके संवेदनशील और दयालु स्वभाव को उजागर करता है।

ईशा गुप्ता : ईशा गुप्ता अपने पालतू जानवरों के लिए प्यार को खुलकर दिखाती हैं। अपने दिवंगत पेट 'नवाब' की यादों से लेकर अपने वर्तमान प्यारे साथी 'पीहू' तक, उनकी इंस्टाग्राम फीड में हर पोस्ट दिल को छू लेने वाली होती है। वो न सिर्फ एक डॉटिंग पेट पैरेंट हैं बल्कि स्ट्रे डॉग्स और एनिमल वेलफेयर की मजबूत आवाज़ भी हैं, जो लोगों को हर ज़रूरतमंद पंजे के प्रति दया और अपनापन दिखाने के लिए प्रेरित करती हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में नवपद आयंबिल ओली की साधना के छठे दिन आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि धर्म और उसके सिद्धांतों के प्रति मनुष्य की श्रद्धाभावना ढ़ एवं निर्मल होनी चाहिए।

सम्यक दर्शन के बिना साधना का कोई मूल्य नहीं : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने नवपद जी की शाश्वत ओली आराधना के छठे दिन प्रवचन में कहा कि सम्यग दर्शन पद की आराधना के लिए उसके बारे में जानना आवश्यक है। यह महान दर्शन पद की आराधना का दिन है। धर्म प्राप्त कर के ही धर्मी बना जा सकता है। धर्म तत्व में पहला है सम्यक दर्शन, इसके बिना सभी प्रकार का ज्ञान मिथ्या ज्ञान कहलाता है। किसी भी प्रकार की क्रिया मिथ्या कहलाती है। इसलिए सबसे जरूरी और मुख्य तत्व है सम्यक दर्शन। हमारे हृदय में देव, गुरु के प्रति अखंड श्रद्धा जब प्रकट होती है तब हम सम्यक्तवी कहलाएंगे। सम्यक दर्शन यानी विचारों का शुद्धिकरण, अध्यवसायों का निर्मलीकरण, भावनाओं का उर्ध्विकरण। सम्यक दर्शन आते ही संसार के प्रति मोह कम और संयम, त्याग, धर्म क्रिया आराधना की भावना होने लगती है। सम्यक दर्शन ऐसा पद है जिसके बिना शुरू के पांच पदों में से कोई भी पद प्राप्त नहीं हो सकता, इसलिए मूल तत्व इसे ही कह सकते हैं। धर्म के प्रति राग वालों को मोक्ष दिखता है। सम्यक दर्शन आने के बाद हमारी भावना शुद्ध हो जाती है।

हमारे रोम रोम में परमात्मा का वास हो, जैसे एक के अंक के बिना सैंकड़ों शून्य का कोई मूल्य नहीं, वैसे ही सम्यक दर्शन के बिना साधना का कोई मूल्य नहीं है। सम्यक दर्शन ही सभी मंजिलों की नींव है।यह सम्यक दर्शन एक ऐसा अंजन है जिसको आँख में डालने पर हमारा अज्ञान का अन्धकार नष्ट हो जाता है, विवेक के चक्षु खुल जाते हैं।

विश्व शांति जप महोत्सव समाज का कल्याणकारी उत्सव है : डॉ वरुणमुनि

शांति जप व महापुरुषों का गुणानुवाद आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी के सान्निध्य में डॉ वरुणमुनिजी की प्रेरणा से गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ गांधीनगर के तत्वावधान में आज सरदार पटेल भवन वसंतनगर में प्रातः 9 बजे से आध्यात्मिक जगत के नौ महापुरुषों के जन्म-दीक्षा-पुण्यतिथि समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर वर्ष 2012 से प्रति वर्ष गुरुदेव अमरमुनिजी की प्रेरणा से आत्म शुक्ल शिव जन्म जयंती के अवसर पर विश्व शांति जप महोत्सव का आयोजन किया जाता है। वरुणमुनि जी ने कहा कि जैन धर्म दिवाकर आचार्यश्री आत्मारामजी ज्ञानज्योति सम्पन्न महान पुरुष थे। संतश्री ने कहा कि महापुरुषों के गुणगान करने से हमारी आत्मा पवित्र और निर्मल होती है। महापुरुषों और भगवान के गुणगान करने से आत्मा की शुद्धि होती है और उसमें शुभ भावों का संचार होता है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष का आयोजन विशेष है। वरुणमुनि जी ने कहा कि महान संतों की संगति और उनके गुण हमारे जीवन का आधार बनते हैं। इन्हें अपनाकर हम भीतर का मैल, विकार और बुराइयों को त्याग सकते हैं और सच्चे जीवन मार्ग पर चल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान को आत्मा का तीसरा नेत्र कहा जाता है।

संसार के भौतिक पदार्थों और आध्यात्मिक तत्वों की प्रकृति को समझने के लिए ज्ञान सर्वोत्तम साधन है। भगवान महावीर ने भी कहा कि पहले ज्ञान प्राप्त करो और फिर करुणा से व्यवहार करो। ज्ञान मन का दर्पण है, यह सभी विकारों का नाश कर आत्मा को शुद्ध करता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र कुछ भी नहीं है। ज्ञान ही मानव जीवन का सार है और यही जन्म-मरण के दुखों को मिटा सकता है। प्रारंभ में रूपेश मुनि जी ने भजन प्रस्तुत किया। उपप्रवर्तकश्री पंकजमुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

उपाध्याय पुष्करमुनि की जयंती पर सजोड़े जप आराधना सम्पन्न

आज होगी गुरुवन्ना देवरु मठ में गुणानुवाद सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के तत्वावधान में उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वीश्री सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी के सान्निध्य में उपाध्यायश्री पुष्करमुनिजी की 116 वीं जयंती पर शनिवार को 1008 सामूहिक सजोड़े नवकार जप आराधना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न उपनगर तथा बाहर गांव से भी गुरु भक्त उपस्थित हुए।

इस अवसर पर नरेश मुनिजी ने नवपद आयंबिल ओली आराधना के छठे दर्शन दिवस पर सम्यक दर्शन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सम्यक दर्शन साधना के भव्य महल की नींव है। सम्यक दर्शन सभी साधना आराधना का मूल आधार है। बिना समकित, सम्यक दर्शन कीङ्गप्राप्ति के साधक को मुक्ति नहीं मिलती है। उन्होंने सभी आयंबिल ओली आराधना करने वाले श्रद्धालुओं को विधि समझाते हुए पुष्कर मुनिजी की जयंती पर आयोजित किए गए सामूहिक सजोड़े नवकार महामंत्र जाप साधना में भाग लेने वाले सभी दम्पत्तियों एवं श्रद्धालुओं के जप आराधना की अनुमोदना की।ङ्गशालिभद्रमुनिजी ने सभी श्रद्धालुओं को सामूहिक रूप से नवकार महामंत्र का जाप करवाया एवं सभा का संचालन किया। नवकार जाप के प्रभावना प्रायोजक परिवार को समिति की ओर से महामंत्री महावीरचंद मेहता ने धन्यवाद दिया।

क्षत्रिय युवक संघ ने शस्त्र व शास्त्र पूजन किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विजयादशमी के अवसर पर शुक्रवार को क्षत्रिय युवक संघ के तत्वावधान में शस्त्र व शास्त्र पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र सिंह पादरू ने किया। उन्होंने कहा कि शस्त्र केवल हथियार नहीं, बल्कि शक्ति और सुरक्षा के प्रतीक हैं। इस पूजन से हमें सीख लेनी चाहिए कि सबसे पहले हमें अपने भीतर के रावण का दहन करना है और बुराइयों का नाश कर अच्छाइयों को अपनाना है। समारोह का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। इस अवसर पर जितेंद्र सिंह अणवाणा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व क्षत्रिय समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। शस्त्र व शास्त्र पूजन से समाज को नई ऊर्जा और शक्ति प्राप्त होती है। समारोह में राजपूत समाज कर्नाटक के अध्यक्ष जब्बरसिंह सांथू, उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह अणवाणा, गायड़ सिंह, सुजानसिंह भाटी, जेठूसिंह राजौला, सुजानसिंह उचमत, सुरेंद्र सिंह चोरा, हड़मत सिंह काठाडी, गणपत सिंह चूरा, नरेंद्र सिंह निम्बोडा, गजेन्द्र सिंह भैषाणा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

पापांकुशा एकादशी पर श्याम मंदिर में बही भजन गंगा

बेंगलूरु।/दक्षिण भारत शहर के बन्नरघट्टा रोड नेशनल पार्क के सामने खाटू श्याम मंदिर पर दशहरा के दूसरे दिन पापाकुंशा एकादशी पर मंदिर प्रांगण में सायं 4 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। स्थानीय भजन गायकों ने भजन सुनाकर बाबा श्याम को रिझाया।

इस अवसर पर बाबा श्याम का मनमोहक फूलों से अलौकिक श्रृंगार किया गया। श्याम भक्तों ने कतारबद्ध होकर बड़ी संख्या में बाबा के दर्शन किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

मैसूरु में नरसिम्हाराजा क्षेत्र के विधायक तनवीर सेठ के जन्मदिन पर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट मैसूर के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, आदिनाथ जैन संघ मैसूर के सचिव गौतम सालेचा, वक़्फ़ बोर्ड मैसूरु के मुमताज़ खान, वेंकटेश आदि ने मुलाकात की और जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए सम्मान किया।

नवकार मत्र से सकारात्मक ऊर्जा का विस्तार होता है : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में नवपद आराधना के छठे दिन साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि नवकार मंत्र से सकारात्मक ऊर्जा और तरंगों का विस्तार होता है। इस मंत्र में किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं हो कर मात्र गुणों का गुणानुवाद है। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी ऋद्धिप्रभा जी ने कहा कि नवकार मंत्र श्रेष्ठ मंगलाचरण है। यह भगवती सूत्र का प्रथम सूत्र है। यह 32 आगम और 14 पूर्वो का सार भी है। अमर कुमार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि दृढ़ श्रद्धा हो तो सूली सिंहासन और अग्नि भी शीतल जल बन जाती है। सभा का संचालन करते हुए संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

जीण माता मंदिर में भजन संध्या का हुआ आयोजन

बेंगलूरु। शहर के नेलमंगला स्थित जीण माता मंदिर पर 'जीण माँ के दीवाने' द्वारा गुरुवार को भजन संध्या का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शुभम-शालू कंदोई परिवार ने पूजा अर्चना कर अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की। तत्पश्चात गायक रामू सिसोदिया एवं स्वाति शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल, मन्नालाल भामा, बिपिन अग्रवाल, नन्दकिशोर चौधरी, विजय चौधरी सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

निष्ठा और ज्ञान से संपन्न हो समाज : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में नवपद आयंबिल ओली की साधना के छठे दिन आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि धर्म और उसके सिद्धांतों के प्रति मनुष्य की श्रद्धाभावना दृढ़ एवं निर्मल होनी चाहिए। भगवान महावीर ने इसे जीवन का दुर्लभ तत्व कहा है। धर्मविशेष में जन्म लिए होने के कारण उसका अनुयायी भर होना बड़ी बात नहीं है। धर्म के तार्किक एवं कल्याणकारी सिद्धांतों के प्रति पूर्ण निष्ठा और उनका अनुसरण जीवन के लिए मंगलकारी होता है। अक्सर लोग इधर-उधर की मान्यताओं में भटकते रहते हैं। आधुनिक युग में अपने धर्म और संस्कृति की महान परंपराओं से हमें पतित करने वाले सैकड़ों निमित्त मिल रहे हैं। राह भटकाने वाले उन उपक्रमों से बचना अत्यंत आवश्यक है। लुभावने प्रलोभनों और चमत्कारों से प्रभावित होकर आधुनिक जैन व हिन्दू समाज बदलता जा रहा है। उसकी धर्मश्रद्धा की कमी, ज्ञान का अभाव और इहलौकिक कामनाएं पथभ्रष्टता के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। इसलिए समाज को मात्र समृद्ध नहीं, प्रबुद्ध बनने की भी जरूरत है। भगवान महावीर ने कहा है कि गहरी श्रद्धा ही मनुष्य को पार उतरती है। वासुदेव श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि विश्वास ही फलदायक होता है, संशयवान तो विनाश को प्राप्त होता है। जैनाचार्य ने कहा कि आज चमत्कारों के नाम पर जगह जगह धर्म की दुकानें खुल चुकी हैं। ज्ञान और भक्ति का मार्ग कमजोर हो गया है। मैकोले की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति आस्तिकों को नास्तिक बना रही हैं। हमारी युवा, किशोर और बाल पीढ़ी का भविष्य खतरनाक लग रहा है। उनकी विचारधारा में अकल्पनीय बदलाव दिखाई दे रहे हैं। मैकोले ने यह शिक्षा व्यवस्था इसलिए लाई थी। ऐसी स्थिति में जैन और हिन्दू परंपरा के संतों और प्रबुद्ध लोगों को गहन चिंतन मनन करने की आवश्यकता है। बिजली, सड़क,पुल, रेल, बस, एयरपोर्ट, अस्पताल, खेल, मनोरंजन, कम्प्यूटर, इंटरनेट जैसी सैकड़ों आधुनिक व्यवस्थाओं और आवश्यकताओं से अधिक महत्वपूर्ण है।

शिक्षा पद्धति में समीचीन परिवर्तन और नई पीढ़ी को नास्तिक बनने से बचाना। यदि आने वाले पांच-दस वर्षों में यह काम करने में हिन्दू और जैन समाज सफल न हुआ तो धर्म और संस्कृति की अपूरणीय क्षति होगी। श्रद्धाहीन होकर हमारी नई पीढ़ी अपनी जड़ों से टूट रही है। उनके संस्कारों में अस्वीकार्य परिवर्तन आ रहे हैं। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि यहां पहली बार 200 साधक नवपद की आयंबिल ओली की विधिपूर्वक साधना कर रहे है।

अणुव्रत समिति ने मनाया सांप्रदायिक सौहार्द दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर की अणुव्रत समिति के तत्वावधान में आयोजित अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तीसरे दिन राजाजीनगर स्थानक भवन में साध्वी निर्मलाजी के सान्निध्य में सांप्रदायिक सौहार्द दिवस मनाया गया। स्थानक के मंत्री नेमीचंद दलाल ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक कन्हैयालाल सुराणा व अन्य सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। सदस्यों ने कहा कि आपसी भाईचारे के साथ आशावादी बनने पर ज़ोर देते हुए आज के बदलते परिप्रेक्ष्य में सम्प्रदायवाद से हटकर आपसी सौहार्द की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने मानव को मानव के रूप में विकास करने हेतु प्रयासरत रहने वाली समिति के कार्यों की सराहना की। समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल ने कहा कि आचार्य तुलसी की 76 वर्षों पूर्व दूरदृष्टि से प्रतिपादित किए गए इस 'अणुव्रत' जो आज एक आन्दोलन बनकर भारत वर्ष में फैल रहा है। इस आंदोलन के तहत ही 450 से भी ज्यादा समितियों द्वारा यह उद्बोधन सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। साध्वीश्री ने अणुव्रत के महत्त्व पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में समिति के मंत्री लाभेश कांसवा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मांडोत, सहमंत्री सुरेश चावत, सूरजमल पितलिया, राजाजीनगर संघ के अध्यक्ष प्रकाश चणोदिया, प्रायोजक प्रकाश बाबेल आदि उपस्थित थे।

अणुव्रत समिति विजयनगर ने मनाया नशा मुक्त दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अणुव्रत समिति विजयनगर द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत तृतीय दिवस 'नशा मुक्त दिवस' का आयोजन जगतज्योति बसवेश्वर पुरुष हॉस्टल में किया गया। समिति के अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने सभी का स्वागत किया। हॉस्टल सचिव शिवन्ना ने समिति सदस्यों का सम्मान किया। अणुव्रत विश्व भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने बच्चों को सही जीवन मार्ग पर चलने और जीवन को सार्थक बनाने के उपाय बताए। इसके पश्चात योग क्रिया द्वारा बच्चों को ध्यान कराया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बी.वी. चंद्रशेखर ने कहा कि नशा करना अपने ही जीवन को समाप्त करने के समान है। साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी बच्चों को 'नशा न करने का' संकल्प दिलवाया। समिति के सहमंत्री श्रीनिवास केजी ने संचालन किया। नवरतन बैद ने धन्यवाद दिया।

पगारिया भाईपा परिवार का भीनमाल हवाई यात्रा संघ वापस लौटा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के पगारिया भाईपा परिवार कर्नाटक की ओर से नौ दिवसीय हवाई यात्रा संघ निर्विघ्न यात्रा करके शनिवार को बेंगलूरु पहुंचा। पगारिया परिवार के महामंत्री अरविंद कोठारी ने बताया कि संघ यात्रियों ने कुलदेवी क्षेमंकरी माता भीनमाल, अहमदाबाद, महुडी, पालनपुर, तारंगा जी, जीरावला, माउंट आबू, जैसलमेर, ओसियां जी, नाकोड़ाजी, बाड़मेर, मांडोली, मांडवला आदि अनेक प्राचीन तीर्थों के दर्शन किए।

चेयरमैन पारसमल पगारिया,संयोजक पन्नालाल पगारिया और दिलीप पगारिया ने संघ यात्रा की व्यवस्था संभाली। यात्रा संघ के मुख्य लाभार्थी सुमतीलाल सिद्धार्थकुमार पगारिया मैसूरु, सह लाभार्थियों में खीमराज पगारिया, नथमल पगारिया, रंगलाल पगारिया परिवार शामिल थे। अन्य लाभार्थी में दिलीप कुमार, गुलाबचंद, माणकचंद, किशनलाल, महेंद्रचंद, जबरचंद, पदमचंद, पन्नालाल, पारसमल, विनोद कुमार, पवन कुमार, कानमल, मांगीलाल पगारिया परिवार थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com